● जयपुर, रविवार, 8 सितंबर 24 ● वर्ष 14 ● अंक 21 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in | Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये कदम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● स्वामी विवेकानंद

पेज @3 जयपुर आने वाले पर्यटकों की सुविधा के लिए यहां की विरासत के संरक्षण...

पेज @4 व्यक्ति को अपना बचपन, जवानी और बुढ़ापा सुधारना है तो करें ...

पेज @8 » 19 पुलिस थानों के 156 प्रकरणों में जब्तशुदा अवैध अफीम डोडा...

पर्यावरण संरक्षण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

अगले वर्ष ग्रीन बजट होगा पेश

चमकता रजास्थान

जयपुर। प्रदेश की भजनलाल सरकार आगामी वर्ष से राज्य का ग्रीन बजट पेश करेगी. मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रकृति का संरक्षण हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है. प्रकृति किसी न किसी रूप में मानव जाति को निरंतर सौगातें देती है. बदले में हमें भी प्राकृतिक संसाधनों के सीमित उपयोग और पौधारोपण से प्रकृति संरक्षण में अपना योगदान देना चाहिए. उन्होंने कहा कि पानी की व्यर्थ बर्बादी रोकने, थाली में आवश्यकतानुसार ही भोजन लेने और परिवहन के साधनों को साझा रूप से इस्तेमाल करने जैसे छोटे-छोटे प्रयासों से हम बड़ा बदलाव ला सकते हैं.उन्होंने कहा कि राज्य में 7 करोड़ पौधे लगाए हैं और 5 वर्षों में 50 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य रखा है. इतना ही नहीं, आगामी वर्ष से राज्य का ग्रीन बजट पेश किया जाएगा. इसके साथ प्रदूषण को कम करने और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए एक हजार इलेक्ट्रिक बसें जल्द ही सड़कों पर दौड़ती दिखाई देंगी.

पर्यावरण संरक्षण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 7 सितंबर को नीले अंबर के लिए स्वच्छ वायु का अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित किया है. इसका उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना और वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए कार्रवाई को प्रोत्साहन देना है. हमें अपने वर्तमान एवं भविष्य को सुरक्षित तथा जीवन को स्वस्थ बनाए रखने के लिए ये कदम उठाने अति आवश्यक हैं. हम सब जागरूक नागरिक होने का कर्तव्य निभाते हुए वायु प्रदूषण को कम करने में सरकार के प्रयासों में भागीदार बनें !

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की और से चलाए गए एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रेरणा लेकर विश्व पर्यावरण दिवस पर राज्य में मुख्यमंत्री पौधारोपण महाअभियान शुरू किया है, जिसके तहत 7 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं. जबकि 5 वर्षों में 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है. साथ ही, मिशन हरियालो राजस्थान के तहत 5 सालों में 4 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है. सीएम ने कहा कि प्रदेश में सभी विकास योजनाओं में ग्रीन ग्रोथ के सिद्धांत और पर्यावरण संरक्षण के साथ आगामी वर्ष से राज्य का ग्रीन बजट पेश करने का भी निर्णय लिया गया है. प्रदूषण मुक्त राजस्थान की संकल्पना हेतु बड़े शहरों में 1000 इलेक्ट्रिक बसें शीघ्र ही संचालित की जाएंगी.सरकार के प्रयासों से कम हुआ वायु प्रदूषण : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य में नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत वायु प्रदूषण की समस्या के समाधान के लिए राज्य स्तरीय कार्य योजना बनाई गई है. अधिक प्रदूषित 5 शहरों के लिए शहरी कार्य योजना भी तैयार की गई है. उन्होंने कहा कि राजस्थान के पूर्वी क्षेत्र विशेषकर एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग द्वारा जारी आदेशों की पालना में कमीशन फोर एनसीआर और विभिन्न विभागों के समन्वय से इस साल वायु प्रदूषण का स्तर गत वर्षों की तुलना में काफी कम हुआ है.

न्यूज़ अपडेट

तेरहवीं से लौट रहा था परिवार, मैक्स वाहन और रोडवेज बस में टक्कर, 15 की मौत

हाथरस/एजेंसी। हाथरस में आगरा-अलीगढ़ नेशनल हाईवे पर मैक्स वाहन और अलीगढ़ डिपो की रोडवेज बस की टक्कर हो गई। हादसे में एक ही परिवार के 15 लोगों की मौत हो गई ?जबकि 12 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। मृतकों में 4 बच्चे, 4 महिलाएं और 7 पुरुष हैं। सभी आगरा के रहने वाले हैं। हादसे में घायल आगरा के थाना खंदौली क्षेत्र के सेंगरा निवासी शबाना ने बताया कि वह सासनी क्षेत्र के मुकंद खेरा गांव में अपनी ननद की ददिया सास की तेरहवीं में शामिल होकर अपने गांव लौट रही थी। शबाना के मुताबिक, मैक्स में करीब 35 लोग सवार थे। मौके पर डीएम आशीष कुमार और एसपी निपुण अग्रवाल पहुंचे हैं। अधिकारियों ने हादसे के बारे में जानकारी ली। साथ ही गंभीर घायलों को उपचार के लिए अलीगढ़ रेफर कर दिया है। पुलिस-प्रशासन राहत बचाव में जुटा है।

इंदौर-जबलपुर एक्सप्रेस के 2 डिब्बे पटरी से उतरे

जबलपुर/एजेंसी। मध्य प्रदेश के जबलपुर रेलवे स्टेशन के पास शनिवार को एक बड़ा ट्रेन हादसा होने से टल गया। इंदौर-जबलपुर ओवरनाइट एक्सप्रेस ट्रेन (22191) के दो डिब्बे पटरी से उतर गए। ट्रेन में सवार यात्रियों के हताहत होने की खबर नहीं है। इंदौर-जबलपुर ओवरनाइट एक्सप्रेस शनिवार की सुबह करीब 6 बजे जबलपुर स्टेशन के पास पहुंची। तभी ट्रेन के डिब्बे रेलवे स्टेशन से 150 मीटर की दूरी पर पटरी से उतर गए। ट्रेन की स्पीड कम होने की वजह से बड़ा हादसा होने से टल गया। ट्रेन में सवार सभी यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं। रेलवे ट्रैक पर आवागमन फिर से शुरू करने का काम किया जा रहा है। रेलवे विभाग के अधिकारी-कर्मचारी भी मौके पर पहुंच गए हैं। पश्चिम मध्य रेलवे के अधिकारी हर्षित श्रीवास्तव के अनुसार, इंदौर-जबलपुर ओवरनाइट एक्सप्रेस जो इंदौर से जबलपुर जा रही थी, जब डेड स्टॉप स्पीड पर थी तब उसके दो डिब्बे पटरी से उतर गए। किसी भी यात्री को हानि नहीं हुई है। सभी सुरक्षित हैं और अपने घरों के लिए रवाना भी हो चुके हैं।

वहीं ट्रेन के दो डिब्बे पटरी से उतरने पर मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। वे तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और ट्रेन के डिब्बे को पटरी से उतरा देखकर दंग रह गए। ट्रेन में बैठे यात्री भी स्तब्ध रह गए, लेकिन गनीमत रही की किसी को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

पूरे विश्व में बज रहा भारत की प्राचीन ऋषि परंपरा का डंका : उप राष्ट्रपति

एजेंसी

चित्रकूट। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने चित्रकूट स्थित जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय में 'आधुनिक जीवन में ऋषि परंपरा' विषयक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शनिवार को उद्घाटन किया। इस अवसर पर उप राष्ट्रपति ने कहा कि भारत ऋषि परंपरा का देश है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस परंपरा को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कभी हथियार से युद्ध नहीं जीता जा सकता। हमारा देश ऋषि परंपरा की वजह से ही आज विश्वगुरु की श्रेणी में खड़ा हुआ है।

जगद्गुरु रामभद्राचार्य को नवनिर्मित उप राष्ट्रपति भवन पर एक दिवसीय प्रवास का दिया आमंत्रण

उप राष्ट्रपति ने कहा कि भगवान राम की तपोभूमि चित्रकूट में आयोजित यह संगोष्ठी निश्चित रूप से हम सबको एक नई दिशा देने वाली साबित होगी। क्योंकि यह संगोष्ठी एक महान ऋषि पद्मविभूषण से अलंकृत जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य महाराज जी की उपस्थिति में आयोजित हो रही है। उपराष्ट्रपति ने जगद्गुरु रामभद्राचार्य को दिल्ली में नवनिर्मित उप राष्ट्रपति भवन पर एक दिवसीय प्रवास का आमंत्रण भी दिया। उन्होंने कहा कि जब कोई अपने यहां किसी मनीषी संत को बुलाता है तो सपत्नीक आना होता है। उसी परंपरा का निर्वाह करते हुए आज यहां सपत्नीक आए हैं।

उप राष्ट्रपति ने कहा कि आज विपक्षी लोग अपने राजनीतिक स्वार्थों के चलते देश की ऋषि परंपरा को नजरअंदाज कर रहे हैं जो किसी मायने में उचित प्रतीत नहीं हो रहा है। ऋषि परंपरा के बल पर ही भारत जल, थल, नभ हर क्षेत्र में हम आगे बढ़ रहा है। हमारे देश की परंपरा वसुधैव कुटुंबकम् की रही है। उन्होंने कहा कि किसी भी समस्या का समाधान युद्ध नहीं है। आज भी चारों तरफ नजर दौड़ाएं तो ऋषि परंपरा का सम्मान हमारे देश में ही है। सांस्कृतिक विरासत का धनी देश भारत हमेशा अतुलनीय रहा है। ऋषि परंपरा के मूल सिद्धांतों को अपनाकर चलना आज की आवश्यकता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उन्हें बड़ा भाई मानती हैं, जबकि प्रधानमंत्री मोदी उनके मित्र हैं और उप राष्ट्रपति धनखड़ उनके भाई हैं। कार्यक्रम में जगद्गुरू के उत्तराधिकारी आचार्य रामचंद्र दास महाराज, प्रदेश सरकार के मंत्री नंद गोपाल गुप्ता, नरेंद्र कश्यप और अनिल राजभर, कुलपति प्रो शिशिर कुमार पांडेय समेत कई प्रमुख लोग मौजूद रहे।

मणिपुर में फिर बढ़ी हिंसा की घटनाएं: डर के साये में जी रहे लोग, ड्रोन देखते ही घरों की लाइटें कर रहे बंद

मणिपुर/एज्जेंसी।

मणिपुर में हिंसा की घटनाएं फिर से बढ़ गई हैं और अब उग्रवादियों ने रॉकेट और ड्रोन्स से हमले शुरू कर दिए हैं। चुराचांदपुर से सटे बिष्णुपुर जिले में शुक्रवार को 10 घंटे के भीतर दो रॉकेट हमले हुए। अधिकारियों ने बताया कि बिष्णुपुर और इंफाल ईस्ट जिले में शुक्रवार रात को कई ड्रोन उड़ते देखे गए। इससे लोगों में इतनी दहशत फैल गई कि लोगों ने अपने-अपने घरों की लाइटें बंद कर दीं।

हाल ही में इंफाल वेस्ट जिले में दो जगहों पर ड्रोन और बम से हमला किया गया। ड्रोन्स देखे जाने के बाद से मणिपुर के बिष्णुपुर जिले के नारायणसेना, नाम्बोल कामोंग और इंफाल ईस्ट जिले के पुख-ाओ, दोलाईथाबी, शांतिपुर इलाकों के लोग दहशत में हैं। हालात को देखते हुए सुरक्षाबल हाई अलर्ट पर हैं। बिष्णुपुर जिले में शुक्रवार रात को कई लाइटिंग राउंड फायर भी किए गए। इससे लोग डर गए और लोगों में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। यह साफ नहीं हो पाया कि ये फायर सुरक्षा बलों ने किए या उग्रवादियों ने।

मणिपुर में ड्रोन का हथियार के रूप में इस्तेमाल पहली बार 1 सितंबर को इंफाल पश्चिम जिले के कोत्रुक गांव में देखा गया था। इस हमले में बंदूकों का भी इस्तेमाल किया गया था, जिसमें दो लोग मारे गए और नौ अन्य घायल हो गए। अगले दिन करीब तीन किलोमीटर दूर सेनजाम चिरांग में रिमोट से नियंत्रित छोटे उडने़ वाले उपकरण का फिर से इस्तेमाल किया गया, जिसमें तीन लोग घायल हो गए।

कॉर्डिनेशन कमेटी ऑन मणिपुर इंटीग्रिटी के प्रवक्ता ने कहा कि 'कुकी लोगों की आक्रामकता में बढ़ोतरी हुई है। बीते कुछ दिनों में ड्रोन से बमबारी की घटनाएं हुई हैं। आज दो मिसाइल हमले भी हुए हैं, चिन-कुकी नार्को आतंकवादियों द्वारा अंजाम दिया गया यह सबसे बड़ा हमला है, जिन्होंने पहाड़ी इलाकों में शरण ली हुई है। राज्य के पहले मुख्यमंत्री मरिमबाम कोइरेंग सिंह के घर पर हमला हुआ है। इस हमले में उनकी प्रतिमा और घर को नुकसान पहुंचा है। हालात नियंत्रण से बाहर हैं। केंद्रीय बल पहाड़ी इलाकों पर तैनात हैं, लेकिन वह हालात को लेकर बेपरवाह हैं। कॉर्डिनेशन कमेटी ने मणिपुर में आपातकाल का एलान किया है। हम लोगों से अपील करते हैं कि वह सुरक्षित स्थानों पर शरण ले लें।'

मणिपुर में पूर्व सीएम के घर रॉकेट बम से हमला, 1 की मौत

इंफाल/एज्जेंसी।

मणिपुर से बड़ी खबर सामने आई है। पूर्व मुख्यमंत्री मैरेम्बम कोइरेंग के घर पर कुकी उग्रवादियों ने रॉकेट बम से हमला किया। हमले में 1 बुजुर्ग की मौत हो गई, जबकि 5 लोग घायल हो गए।

कांग्रेस नेता मैरेम्बम कोइरेंग राज्य के पहले मुख्यमंत्री रह चुके हैं। वे 1963 से 1967, 1967 में 200 दिन और 1968 में 3 बार मणिपुर के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। उनका निधन 27 दिसंबर 1994 को हो चुका है। हमले के बाद मोबाइल फोरेंसिक यूनिट, डीएफएस, मणिपुर की एक टीम ने बिष्णुपुर जिले के मोइरांग में रॉकेट हमले के बाद सबूत इके किए। अब तक यह पुष्टि नहीं हो पाई है कि जिस रॉकेट से हमला किया गया है। वह कहां बना था और कैसे हमलावरों तक पहुंचा। विस्फोट में 13 वर्षीय लडकी सहित पांच अन्य घायल हो गए। यह रॉकेट आईएनए मुख्यालय से लगभग दो किलोमीटर दूर एक स्थान पर गिरा।

2,200 करोड़ के ऑनलाइन स्कैम मामले में एक और गिरफ्तार

गुवाहाटी/एजेंसी। असम पुलिस ने शनिवार को 2,200 करोड़ रुपये के ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाला मामले में एक और गिरफ्तारी की है। पुलिस ने जोरहाट जिले के टिटाबोर इलाके से एक और शख्स को गिरफ्तार किया है, जो ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले में कथित तौर पर शामिल है। अधिकारियों ने शनिवार को गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि शख्स की पहचान अविनाश परधिया के रूप में हुई है। उसे टिटाबोर शहर के बोरहोला इलाके से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि शनिवार सुबह व्यक्ति की गिरफ्तारी उसके घर से की गई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि अविनाश परधिया अपने घर से ट्यूशन सेंटर चलाता है और वह गुड लक ट्यूटर सेंटर प्राइवेट लिमिटेड की आड़ में ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाला चला रहा था। पुलिस ने दावा किया कि गिरफ्तार किए गए शख्स ने ऑनलाइन ट्रेडिंग के जरिए लोगों को अधिक रिटर्न देने के नाम पर लाखों रुपए की ठगी की है। इससे पहले असम पुलिस ने ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले के मामले में राज्य में छापा मारकर 38 लोगों को गिरफ्तार किया था। इस मामले के दो मुख्य आरोपी विशाल फुकन और स्वप्निल दास को पहले ही गिरफ्तार जा चुका है। दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें सात दिनों के लिए पुलिस रिमांड पर भेजा गया है।

वन्यजीव बचाने को करने होंगे सामूहिक प्रयास

वन्य जीव प्रकृति का उपहार ही नहीं, अमूल्य धरोहर से बढ़कर हैं। अफसोस कि वन्य जीवों की विभिन्न प्रजातियां दिनों दिन लुप्तप्राय हो रही हैं। हजारों प्रजातियों का तो अबतक नामोनिशान मिट चुका है। जंगल के बेजुबान जानवरों की संख्या विलुप्त होने से कैसे बचे, उनका संरक्षण कैसे किया जाए, इन्हीं को ध्यान में रखकर हर साल 4 सितंबर को पूरे देश में 'राष्ट्रीय वन्यजीव दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस का प्रचलन वर्ष 2005 में 'कोलीन पैगे' नामक एक वाइल्ड लाइफ विशेषज्ञ व परोपकारी व्यक्ति द्वारा की गई थी। वहीं, अगले साल यानी 2006 में वन्यजीव संरक्षणवादी 'स्टीव इरविन' के निधन के बाद उनकी स्मृति में यह खास दिवस मनाया जाता है। वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक 48.5 फीसदी वन्य प्रजातियों की आबादी में कमी आ चुकी है। इन प्रजातियों की कुल संख्या 16,150 है जिनमें पक्षियों की 5412 प्रजातियां, उभयचरों की 3135, मछलियों की 2631 प्रजातियां, स्तनधारियों की 1885 और कीटों की 1622 प्रजातियां शामिल हैं। जबकि, सरीसृपों की 1465 प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर हैं।

वन्यजीवों की संख्या घटने के पीछे दो प्रमुख कारण हैं। अव्वल, वनों का तेजी से कटना। दूसरा, उनके भोजन की उपलब्धता में कमी आना, जिस कारण उनका वनों से बाहर आना और शिकारियों द्वारा शिकार हो जाना। उचित आवास का न होना, अत्यधिक वन संपदा का दोहन, जंगलों में बढ़ता प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग की मार भी जंगली जीव झेल रहे हैं। पशु तस्कर अब चुन-चुनकर जंगली जानवरों का शिकार करने लगे हैं क्योंकि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में जंगली जानवरों की खाल, दांत या उनके अन्य अंगों की भारी डिमांड है। ग्राहक तस्करों को मुंहमांगी कीमत देते हैं जिस कारण तस्कर वन्य जीवों का शिकार करने पर आमादा रहते हैं। लुप्तप्राय जीवों और उनके संरक्षण के लिए चल रहे प्रयासों में और तेजी लाना ही आज के खास दिन का मकसद है। वन्य जीव प्रजातियों के महत्व और उनकी रक्षा-सुरक्षा के लिए सभी को भागीदार होना चाहिए। आज पशुओं की सुंदरता और उनके मूल्यों को पहचानने का दिन है। कार्यक्रमों के जरिए जनमानस को याद दिलाना होता है कि मानव जीवन में वन प्रजातियों की क्या भूमिका होती है। दुख इस बात का है कि लाख कोशिशों के बावजूद मानवीय गतिविधियां नहीं रुकती और पर्यावरण में होते नित नए परिवर्तन ने भी वन्य पशु-पक्षियों का जीना मुहाल किया हुआ है।

राष्ट्रीय वन्यजीव दिवस का उद्देश्य व्यक्तिगत प्रयासों से लेकर वैश्विक पहलों तक, वन्यजीवों के संरक्षण में मदद करने वाले कार्यों को प्रोत्साहित करना होता है। ये दिन हमें अपने प्राकृतिक परिवेश के प्रति अपनी जिम्मेदारी की भी याद दिलाता है। वन्यजीव संरक्षण के प्रयासों में भागीदारी को प्रोत्साहित करना और चिड़ियाघरों, अभयारण्यों और वन्यजीव संरक्षण के लिए समर्पित संगठनों के काम का समर्थन भी आज का दिन करता है। 'राष्ट्रीय वन्यजीव दिवस' के अलावा 3 मार्च को मनाया जाने वाला 'विश्व वन्यजीव दिवस' भी जंगली जानवरों की रक्षा के लिए लोगों को आह्वान करता है कि भावी पीढ़ियां पृथ्वी की जैव विविधता का आनंद ले सके, इसलिए वन्य जीवों को संरक्षित करना होगा। आज के खास दिन का मकसद, वैश्विक स्तर पर वन्यजीवों के सामने आने वाली प्राकृतिक आपदाएं, बीमारियों व अन्य गंभीर समस्याओं के प्रति जागरूकता को बढ़ाना भी होता है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि मानवीय गतिविधियां वन्य जीवों के लिए मौजूदा वक्त में सबसे बड़ा खतरा हैं। सरकारी स्तर पर जैव विविधता के महत्व और प्राकृतिक वन्य जीव संरक्षण पर अब और अधिक ध्यान देने की जरूरत है।

जाति जनगणना से जाति कमजोर होगी

डॉ. उदित राज

आरएसएस ने भी जाति जनगणना के लिये हाँ कर दिया है लेकिन यह भी कहा कि इसका राजनैतिक फाएदा न उठाया जाए। अभी तक बीजेपी और संघ अड़े थे कि जाति जनगणना से जातिवाद फैलेगा, इसलिए ऐसा न हो। राहुल गांधी जी ने जब से सामाजिक न्याय को धार दिया तब से देश की राजनीति हिंदुत्व बनाम सामाजिक न्याय की दिशा में चल पड़ी है। कैसे जाति जनगणना से जातिवाद कम होगा, उस पर एक नजर डालने की जरूरत है।

अतीत में भारत एक युद्ध न जीत सका और जो भी आक्रमण किया आसानी से जीत गया। कुछ धन लूट ले गए और कुछ राज किए। हमेशा कारण बताया जाता रहा की हार छल-कपट और आधुनिक हथियार न होने से हुई। कभी तेज आंधी-पानी को तो कभी सेनापति द्वारा धोखा जैसे कारण बताए गए। फिर से इतिहास गढ़ने की कोशिश की जा रही है कि हम तो महान और विश्व विजेता रहे हैं। लिखने और बोलने में क्या जाता है और इसी से आत्म संतोष हो जाता है। ऐसे में सीख लेने की कोशिश की बात कहाँ ? कहा जाता है पूर्व में प्लास्टिक सर्जरी, एटम बम, मिसाइल, हवाई जहाज और इंटरनेट सब रहे हैं लेकिन विदेशी लोगों ने चोरी कर लिया। जैसे ही दुनिया में कोई नया आविष्कार होता है और पता लगते ही कोई ज्ञानी आकर कह देता है कि यह तो हमारे पूर्वजों का है। बस यहीं से जिज्ञासा और कुछ करने का चिंतन खत्म हो जाता है। ऐसी सोच कुछ विशेष जाति के द्वारा ही फैलाई जाती है। 612 में मीर क़ासिम एक छोटी सी सेना लेकर सिंध प्रांत के राजा दाहिर पर हमला बोलता है और वह जीत जाता है। क्लाइव प्लासी युद्ध आसानी से जीत गया। अंग्रेजों की सेना जब मार्च कर रही थी तो दोनों तरफ़ हज़ारों और लाखों लोग देख रहे थे और अंग्रेज डरे थे कि अगर पत्थर भी उठा लिए तो उनकी सेना ध्वस्त हो जाएगी। जब लड़ने की जिम्मेदारी ही एक जाति की थी तो बाकी तमाशा देखेंगे ही। धोबी को कपड़ा धोना, तेली को तेल निकालना, मोची को जूता बनान लोहार को औजार बनाना और इस तरह से जितनी जाति, उतने टुकड़े। लड़ने वाले एक जाति के होते थे और यह भी आक्रांता को मदद मिलती थी क्योंकि वे दलितों और पिछड़ों को अपना साथी बना लेते थे। हमारे यहाँ कहावत है "कोउ नृप होई हमै का हानि, चेरी छांड़ि कि होइब रानी." असली जातिवाद तो यही हैं।

संविधान न होता और सबको शासन और प्रशासन में भागीदारी न दी गई होती तो बहुत संभव है कि भारत फिर से ग़ुलाम होता। भले कुछ जातियों की भागीदारी उच्च स्थानों और पदों पर ज्यादा हो लेकिन अब सब लोग मानते हैं कि यह हमारा देश है। भले ही जाति में ही शादी-विवाह हो और टोले अलग-अलग हों लेकिन सब मानने लगे कि देश सबका है। अब एक विशेष जाति की ज़िम्मेदारी देश की रक्षा की नहीं रही। जाति जनगणना सामाजिक न्याय का अभिप्राय है और इस रास्ते पर चलकर देश आगे जा सकता है। 1921 में मद्रास में जस्टिस पार्टी ने आरक्षण लागू किया और आज तमिलनाडु उत्तर भारत से बहुत आगे है। केरल में त्रावणकोर के राजा ने 1921 में आरक्षण लागू किया और वो भी आगे निकला, ऐसा ही मैसूर रियासत ने भी किया। 1902 में कोल्हापुर रियासत के साहूजी महाराज ने 50% का आरक्षण लागू किया और आज ये चारो राज्य शिक्षा, स्वास्थ्य और प्रति व्यक्ति आय में उत्तर भारत से मीलों आगे हैं। इससे अच्छा प्रमाण क्या कोई हो सकता है कि जाति जनगणना एवं सामाजिक न्याय से भारत तरक्की करेगा। उत्तर भारत में सामाजिक न्याय का आंदोलन चला ही नहीं और यही कारण है कि ये पीछे हैं। डॉ. अंबेडकर बौद्ध धर्म अपनाकर जाति विहीन समाज बनाना चाहते थे। कहने को तो उनके करोड़ों अनुयायी हैं लेकिन जाति विनाश के साथ कोई नहीं। जातीय जनगणना से शैक्षिक और आर्थिक आकड़ें जुटाए जाएंगे और ज़रूरत के हिसाब से सरकार योजना बना सकेगी ताकि पिछड़े लोगों को भी प्रगति का अवसर मिले। समुचित प्रतिनिधित्व कम या न होने की स्थिति में जातिवाद बढ़ेगा। पिछड़े बदले की भावना और ईर्ष्या रखेंगें और इससे जातीय गोलबंदी और तेज होगी। यही कारण है कि आज जातीय संघर्ष तेज हो रहे हैं। देश के अर्थशास्त्री अगर घनघोर जातिवादी न हों तो सबसे पहले उन्हें आगे आकर आरक्षण की हिमायत करना चाहिए और यह भी हो सकता कि इनकी नज़र न गई हो या इस परिप्रेक्ष से सोचा न हो। देश के कुछ ही लोगों के पास संसाधन होता है तो कितना वस्तुओं का उपभोग कर सकते हैं। मान भी लें कि खूब फ़ज़ूल ख़र्ची करते हैं तो भी एक सीमा तक उपभोग कर सकते हैं। आरक्षण से नौकरी प्राप्त करने वाला ज़्यादा खर्च करेगा क्योंकि पहले से उसके पास उपभोग की वस्तुएँ कम होती हैं। इससे उसके परिवार और जाति के लोग भी पढ़ेंगे और नौकरी करेंगे या कुछ व्यापार, कृषि या अन्य व्यवसाय करेंगें, जिससे इनकी क्रय शक्ति बढ़ेगी। कपड़ा, पक्का मकान, गहना, कार, मोबाइल, टीवी, फ्रिज आदि उपभोग की वस्तुएं खरीदेंगे और अंततः देश का ट्रेड, उद्योग, बाज़ार आदि बढ़ेगा। चीन अन्तर्राष्ट्रीय निर्भरता कम करता जा रहा और आम लोगों की आय बढ़ाने का प्रयास कर रहा है, ताकि उत्पादन, बाजार और सेवा क्षेत्र प्रभावित न हों। राहुल गांधी जी भविष्यद्दष्टा हैं और उसी परिप्रेक्ष में सामाजिक न्याय की बात कर रहे हैं। आरक्षण शिक्षा प्राप्त करने का सबसे ज़्यादा उत्प्रेरक सिद्ध हुआ है। घर में एक पढ़ा और उसकी नौकरी लगने से परिवार, रिश्तेदार और जाति में संदेश गया और सब पढ़ने लगे। परिवार और पड़ोस के लोग स्पर्धा लगा लेते हैं कि पढ़ेंगे, तभी कुछ कर पाएंगे।

जाति जनगणना मानव कल्याण, देशहित और विकास के लिए उपयोगी है। जन्म, शादी, परिवार, सुख-दुख, टोला, रहना और मरण सब जाति में ही मूल रूप से होता है तो इसको नकारना नासमझी होगा। पूर्वाग्रह से न देखा जाए और जनगणना सही रूप से किया जाए और इससे किसी की क्षति भी नहीं होगी।

अहिंसक विश्व समाज कैसे बने

कुलभूषण उपमन्यु

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। विकसित बुद्धि, भाषा विकास, सीधे खड़े होने की सामर्थ्य और उँगलियों की विशिष्ट बनावट के चलते ही मनुष्य अन्य पशु समुदाय से अधिक विकसित हो सका है। अन्यथा बहुत-सी पशु वृत्तियां मनुष्य में भी विद्यमान हैं। हर मनुष्य और मनुष्य-समाज सुख-शांति से रहना चाहता है। तमाम भौतिक सुख-सुविधाएं पैदा करने के बावजूद पशु वृतियों के चलते हिंसक और लालची व्यवहार से मनुष्य एक-दूसरे को कष्ट पहुंचा कर दुखी करता आया है। इसी कारण स्वयं भी दुखी होता आया है। शायद इसी पशु वृत्ति जनित दुःख निवारण के लिए धर्मों का अविष्कार मनुष्य समाज ने किया होगा। जिसमें कुछ आत्म नियमन द्वारा पशु वृतियों के दमन की अपेक्षा करके समाज को सुखी बनाने की चेष्टा की गई है। किन्तु पशु वृतियां धर्मों पर भी हावी हो गईं। धीरे-धीरे यह विचार आने लगे कि मेरा ही धर्म श्रेष्ठ है इसलिए दूसरे के धर्म को निकृष्ट बता कर उसे समाप्त या नियंत्रित करने के प्रयास शुरू हो गए। इससे एक नए प्रकार की भयानक हिंसा का जन्म हो गया। चले थे हरि भजन को, ओटन लगे कपास- कहावत को चरितार्थ करते हुए सुख और शांति की दिशा में बढ़ने के नाम पर बड़ी हिंसा का शिकार हो गए। कबीलाई समाज के समय जब मनुष्य समाज उतना विकसित नहीं था तब हिंसा छोटे स्तर पर छोटी-छोटी बातों पर होती थी। खाना तलाशने, शिकार के इलाके पर आधिपत्य को लेकर एक कबीला दूसरे से टकरा जाता था। जैसे-जैसे मनुष्य विकसित होता गया, वैसे-वैसे उसकी आवश्यकताएँ बढ़ती गईं। फिर टकराव के मौके भी बढ़ते गए। टकराव के शस्त्रास्त्र भी बढ़ते गए। यानी सुख शांति से जीने के हालात कम होते चले गए। पहले लाठी-डंडों से झगड़े निपट जाते थे, फिर भाले तीर, तलवारों की नौबत आ गई और अब महा विनाशक अणुबमों के खतरे में जीने को अभिशप्त हैं। दर्द बढ़ता ही गया, ज्यों-ज्यों दवा की- यह कहावत चरितार्थ होने लगी। अनेक धर्मों, पंथों ने साधना और धार्मिक नियमन से व्यक्तिगत तौर पर अहिंसक व्यवहार में पारंगत महामानवों को पैदा किया किन्तु सामूहिक स्तर पर अहिंसा का प्रयोग बहुत नगण्य रहा, जिसमें शायद महात्मा गांधी एक अपवाद हैं, जिन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ स्वतन्त्रता आन्दोलन में अहिंसा को एक उपकरण की तरह उपयोग करने का साहस किया। बड़े पैमाने पर सफलता भी हासिल की किन्तु उसमें भी बहुत से लोग इस उपकरण को मान्यता देने में संकोच करते हैं और इस बहस में फंसे रहते हैं कि आज़ादी अहिंसक आन्दोलन से मिली या क्रांतिकारी आन्दोलन और नेताजी सुभाष बोस के सैनिक प्रयास से। यहाँ मकसद यह तय करना नहीं है कि किसके प्रयास से आज़ादी मिली, सबके ही प्रयास महत्वपूर्ण रहे हैं किन्तु मूल प्रश्न है कि अहिंसा के उपकरण को व्यक्तिगत स्तर से आगे बढ़ कर सामूहिक स्तर तक उपयोगी कैसे बनाया जाए ताकि अंतरराष्ट्रीय मामलों को सुलझाने के लिए युद्धों के अलावा अहिंसक उपाय किए जा सकें और सुख शांति पूर्ण जीवन संभव हो सके। इस दिशा में यह भी देखा जाना चाहिए कि देशों में युद्धों के मुख्य कारण क्या रहे हैं। इतिहास के अध्ययन से हमें ज्ञात होता है कि बहुत से संघर्ष आर्थिक प्रभुत्व के लिए हुए हैं या फिर अपनी धार्मिक विचारधाराओं के जबरदस्ती प्रचार की भूख के कारण हुए हैं। कोई यह बोले कि मेरे रास्ते से स्वर्ग या जन्नत मिलना तय है, तो भाई आप स्वर्ग या जन्नत के मजे लूट लो दूसरे को क्यों परेशान करते हो कि आप भी मेरे रास्ते चलो। जिस धर्म का उद्भव या विकास मानव समाज को सुखी करने के लिए हुआ था उसी के कारण दुनिया में कितना हिंसक वातावरण बना है और सब तरफ दुःख ही फैलने का कारण बन गया है। इस तरह के हालात में अहिंसक शक्ति को कैसे सर्वोपरि बनाया जा सकता है। वरना हिंसा और प्रति हिंसा के दुश्चक्र में धर्म तो गायब ही हो जाता है। जो मनुष्य समाज दूसरे को दुखी करेगा वह स्वयं भी दुखी होगा ही क्योंकि हर क्रिया की प्रतिक्रिया तो प्रकृति का नियम ही है। इतनी बात समझ आ जाए तो आगे का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। आर्थिक कारणों से होने वाली हिंसा भी दो तरह की है। एक तो अभाव जनित है। अभाव दूर करके जिसका निराकरण किया जा सकता है। दूसरी है लालच जनित। जिसके बारे में गांधीजी ने कहा था कि प्रकृति के पास सबकी जरूरतें पूरा करने के लिए पर्याप्त है किन्तु किसी के लालच की पूर्ति के लिए कुछ भी नहीं। यानी लालच प्रकृति की शक्ति पर अनचाहा भार है और समाज में अन्याय का कारण भी। गांधीजी का आत्मनिर्भर समाज का सिद्धांत इस दृष्टि से उपयोगी हो सकता है, यदि इसे वैश्विक स्तर पर भी लागू किया जा सके। जब सभी देश आत्मनिर्भर होने के लक्ष्य से काम करेंगे तो अनंत साधन और शक्ति हथियाने की जरूरत समाप्त हो जाएगी। व्यापारिक मंडियों पर कब्जे की जरूरत ही नहीं रहेगी। अंतरराष्ट्रीय हिंसा का बड़ा कारण सीमाओं की रक्षा भी है। जैसे आर्थिक विस्तारवाद खराब है, वैसे ही सीमाई विस्तारवाद भी है। इसके लिए सशक्त विश्व मंच की जरूरत है जो सीमाओं के संरक्षण की गारंटी दे सके। क्या संयुक्त राष्ट्र संघ उस दिशा में विकसित किया जा सकता है। यदि सीमाओं की सुरक्षा सलाह मशविरे से संभव हो जाए तो हिंसा का बड़ा कारण समाप्त हो जाएगा। फिर आप सेनाओं और भयंकर शस्त्रास्त्रों पर खर्च राशि को बहुत घटा सकते हैं और समाज के सुख-समृद्धि पर खर्च कर सकते हैं। काश! ऐसा हो पाए।

साक्षरता अभियान: कार्यात्मक साक्षरता की अवधारणा और सामाजिक विकास

अशोक सिंह

राजनितिज्ञों, शिक्षाविदों, सिद्धांत-प्रतिपादकों और यहाँ तक कि सजग और संबंधित नागरिकों में इस बात को लेकर लंबे समय से बहस जारी है कि साक्षरता और विकास के बीच कोई अंत संबंध है या नहीं। हाल के वर्षों में लोग केवल साक्षरता और विकास के बीच के संबध को लेकर ही नहीं, बल्कि विभिन्न तरह की दक्षतामूलक साक्षरताओं को लेकर भी विमर्श करने लगे हैं।

कुछ लोगों का मानना है कि साक्षरता, कार्यात्मक साक्षरता और विकास के बीच सूक्ष्म और सांकेतिक संबंध है। दशकों पहले यह बात प्रस्तावित की जा चुकी थी कि विकास को फलित होने के लिए साक्षरता का एक निर्धारित स्तर आवश्यक हैं। यदि संपूर्णता में देखा जाय तो ऐसा प्रतीत होता है कि विकासशील और विकसित परिप्रेक्ष्यों में सामंजस्य बिठाने की जो चुनौतियां है, उसमें लोगों का साक्षर होना बहुत जरूरी है। कुछ विद्वानों का कहना है कि विकास के लिए साक्षरता कोई पूर्व शर्त नहीं है। तब से आजतक उनके इस तर्क पर बहस जारी है। उदाहरण के लिए नादिन ने अपनी पुस्तक 'निरक्षरता की सभ्यता' में यह दावा किया है कि सूचना एवं संचार के इलेक्ट्रानिक हाइवेज का हावी होना ही 'साक्षरता के अंत' का परोक्ष कारण प्रतीत होता है। ये इलेक्ट्रानिक हाइवेज अपने प्रभाव में इतने भ्रामक हैं कि लोग यह भूल जाते हैं कि इन संचार-संप्रेषण माध्यमों के कर्ता-धर्ता स्वयं साक्षर और शिक्षित लोग हैं। पर ऐसा नहीं है कि नादिन और उसके जैसे विद्वानों के तर्कों को चुनौती नहीं दी गयी है। विपक्षी खेमे के हरबंस भोला, लैलेन बॉन, माइकन ओमोलेवा, और पॉल फोर्डहैम जैसे विद्वानों ने उनके तर्कों को यह कहते हुए खारिज कर दिया है कि साक्षरता के बिना विकास नकली पांव पर लड़कड़ाता हुआ चलता प्रतीत होता है। कुछ मिलाकर, सारे उद्देश्य के मद्देनजर, साक्षरता, कार्यात्मक साक्षरताओं और विकास के बीच का अंतर्संबंध अभी भी गंभीर बहस का मुद्दा बना हुआ है। ऐसा प्रतीत होता है कि यह बहस अभी खत्म भी नही होगी। इसके उलटे, विद्वतजन विकास के संदर्भ में साक्षरता और दक्षतामूलक साक्षरता के आर्थिक सामाजिक और सांस्कृतिक निहितार्थों का भी अध्ययन करने लगे हैं ये विकास को कैसे प्रभावित करते हैं।

इस अकादमिक बहस में प्रतीत होता है कि जो लोग विकास के लिए साक्षरता पर जरूरत से ज्यादा अवलंबित होने का विरोध करते हैं और जो लोग निरक्षर हैं, उन दोनों के योग्य दावों व तर्कों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। उन लोगों का दावा भी एक 'जेनुइन केस' हो सकता है, जो पूरे जोर-शोर से कह रहे हैं कि साक्षरता और दक्षतामूलक साक्षरताओं के विकास का जरूरी साधन मानने वाले विद्वान अदूरदर्शी और दिग्भ्रमित हैं तथा वे झूठे वायदों और उम्मीदों से चिपके हुए हैं और छल कर रहे हैं। दूसरी तरफ उनका भी केस उतना ही मजबूत हो सकता है जो लोग यह दावा कर रहे हैं कि साक्षरता और दक्षतामूलक साक्षरता को नजरअंदाज करना 'दुष्टतापूर्ण' है। लेकिन इन सब बहसों के बीच, साक्षरता के उद्देश्य के पक्ष या विपक्ष में स्वयं निरक्षरों से बेहतर कोई नही बता सकता । इसलिए हमें निरक्षरों की बातों को सर्वाधिक महत्व देना चाहिए। वे लोग, जिनके ऊपर कुछ बीतता है, वही अपने अनुभव, अपनी पीड़ा बेहतर ढंग से बता सकते हैं। जो लोग केवल सहानुभूति दिखाते हैं, चाहे कितनी सच्ची साहनुभूति क्यों न हो, भोगने वाले की पीड़ा को उनसे बेहतर नहीं समझ सकते और यही बात साक्षरता के साथ भी सौ फीसदी लागू होती है। यही कारण है कि यह बात आज भी कही जा रही है कि निरक्षर लोगों से जुड़ी बातों को निरक्षर के सिवा और कोई बेहतर ढंग से नही रख सकता। इसलिए शिक्षित एवं सहानुभूति रखने वाले लोगों की बातों, तर्कों और कथनों की बनिस्पत स्वयं निरक्षरों की तरफ से आने वाली बातों व तर्कों को ज्यादा गंभीरता से लिया जाना चाहिए। अवधारणा के स्तर पर साक्षरता को दिनोदिन एक ऐसे कार्य (एक्ट) के रूप में देखा जा रहा है जो पढ़ने-लिखने और अंक-ज्ञान के जरिये व्यक्ति और उनके समुदाय की सहभागिता-क्षमता को बढ़ाने वाली गतिविधियों की पहल, उपयोगिता और मूल्यांकन को प्रोत्साहित करता है। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि साक्षरता को समुदाय, संदर्भ और कार्य-विशेष से जोड़कर प्रचरित किया जा रहा है। इसलिए यह बिल्कुल तर्कसंगत और विवेकपूर्ण हो जाता है कि साक्षरता को सामुदायिक जीवन के लय में ही तलाशा जाय। इसी लय में विकास भी शामिल है। इस बिंदु पर पहुंचकर, साक्षरता को एक सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक आचरण-व्यवहार के रूप में देखा जा सकता है। साक्षरता को एक ऐसे व्यवहार के रूप में भी देखा जा सकता हैं जो खास तकनीकों और ज्ञान के खास तंत्रों के जरिये लक्ष्योन्मुख गतिविधियों को संपादित करता है। यदि साक्षरता को विकास की प्रक्रिया में एक अभ्यास के रूप में देखा जा रहा है तो इस बात को भी रेखांकित किया जाना जरूरी है कि विकास में इसकी व्यापक भूमिका है। विकास और साक्षरता के संबंध में आने वाले तर्क रैखिक और एकपक्षीय नहीं रहे हैं। कुछ लोग यह तर्क देते हैं कि वे लोग जो पढ़-लिख सकते हैं विकास की प्रक्रिया को तेज कर सकते हैं। लेकिन इसके उलट, यह भी तर्क है कि अनपढ़ लोग अनुबम या जनसंहार के हथियार नहीं बना सकते हैं। दूसरे शब्दों में, जिन लोगों ने मानव समुदाय के लिए सबसे बड़ा खतरा पैदा किया है, वे विश्व समुदाय के पढ़े-लिखे लोग ही हैं। इसका अर्थ यह हुआ कि साक्षरता और विकास को संबंध को अत्यधिक सरलीकृत करके नहीं देखा जाना चाहिए।

एक धारणा यह भी है कि सामुदायिक जीवन के उद्भव, विकास, बदलाव आदि को रेखांकित करने वाली प्रक्रिया को साक्षरता के माध्यम से ही सबसे सटीक ढंग से 'डाक्यूमेंट' यानी आलेखबद्ध किया जा सकता है। बहुत से समुदाय जो अपनी रीति-रिवाजों, संस्कृति और परंपराओं को मौखिक रूप में ही जारी रखे हुए हैं और पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ा रहे हैं, वहां उनके विकास में ह्रास दिख रहा है। दूसरे शब्दों में 'डाक्यूमेंटेशन' या 'दस्तावेजीकरण' प्रक्रिया के अभाव में बहुत सी संस्कृतियां अपनी महत्ता खोती जा रही हैं और कुछ तो विलुप्त भी हो गयी हैं। विकास और संस्कृति की निरंतरता में साक्षरता के महत्व के अलावा, एक अभ्यास के रूप में साक्षरता का व्यापक महत्व है। ज्ञान की पहचान करने, ग्रहण करने, धारण करने एवं उन्हें पुनः प्राप्त करने में साक्षरता सदैव महत्वपूर्ण साबित हुई है और यह सूचनाओं के प्रतिसत्यापन में भी सबसे महत्वपूर्ण साधन के रूप में इस्तेमाल होती रही है।

यह तो स्पष्ट है कि हम अभी सूचना-युग में जी रहे हैं, जिसे निरंतर आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक भूमंडलीकरण के माध्यम से परिभाषित किया जा रहा है। विश्व की आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनैतिक व्यवस्था में वैश्वीकरण स्वयं एक नए विकास-मॉडल के रूप में उभर रहा है। हम इस बात से भी अवगत हैं कि वैश्वीकरण के 'फोर्डिस्ट-टेलरिस्ट' टैक्नो-इकॉनामिक विकास-मॉडल (जिसमें फैक्ट्री-सिस्टम एवं मास-प्रोडक्शन,वैज्ञानिक प्रबंधन और गतिमान असेंबली-लाइन तीन स्तंभ माने जाते हैं) में अशिक्षित लोगों के लिए बिल्कुल कोई जगह नहीं है। क्योंकि 'टेक्नो-इकॉनामिक' भूमंडलीकरण, समय स्थान और दूरी की सीमाओं को लांघने के क्रम में अतिविकसित सूचना एवं संचार तकनीकों पर निर्भर करता हैं जो काफी जटिल और अत्याधुनिक है और निरक्षरों की पहुंच से बाहर है। अभागे इसलिए क्योंकि वे भूमंडलीकरण की चलती गाड़ी को रोकने में एकदम अक्षम और अदने हैं। इन बढ़ती चुनौतियों के मद्देनजर साक्षरता को क्रियात्मक प्रवृत्ति के रूप में विकसित करने पर और अधिक बल देना जरूरी है।

पूरे विश्व में साक्षरता को क्रियात्मक प्रवृति के रूप में देखा जा रहा है और आम तौर पर यह भी माना जा रहा है कि दक्षता के साथ-साथ साक्षरता भी आती है। इस स्तर पर साक्षरता को सिद्धांत और व्यवहार में क्रियात्मक माना जाता है। साक्षरता कभी भी महत्वहीन साबित नहीं होगी। उदाहरण के लिए साक्षरता का उपयोग संस्कृति और विचारों को प्रोत्साहित करने के लिए किया जा सकता है। इसका उपयोग किसी पूर्वाग्रह को पोषित करने या किसी सकारात्मक अथवा नकारात्मक मूल्य को बढ़ावा देने के लिए भी कियाजा सकता है। साक्षरता के क्षेत्र में साक्षरता-अभ्यासों एवं क्रियाओं की बाढ़ सी आ गयी है। लोग अजकल कई तरह की साक्षरता की बात करते हैं-मौखिक साक्षरता, दृश्य-साक्षरता, सामाजिक-साक्षरता, कल्याणकारी साक्षरता, साधनमूलक-साक्षरता, शक्तिसंवर्द्धक-साक्षरता,कंप्यूटर-साक्षरता क्रांतिक-साक्षरता कार्यात्मक साक्षरता आदि। और, इसकी विविधता इस बात पर निर्भर करती है कि हम किस तरह के लक्ष्य हासिल करना चाहते हैं। परिणातः दक्षतामूलक साक्षरता के साथ-साथ कई तरह की चुनौतियां प्रकट हुई हैं जो बहस की मांग करती हैं।

साक्षरता का उपयोग एक ऐसे प्रभावी साधन के रूप में भी किया गया है जिसके जरिए लोगों को 'पालतू' बनाया जा सके और उन्हें उनकी अस्मिता और स्वतंत्रता से वंचित किया जा सके। यह भी कहा जाता है कि साक्षरता का इस्तेमाल निम्नतर स्तर/स्थिति स्वीकार कराने के लिए भी किया जाता है, भले ही वे इस थोपे गए स्तर को पसंद करते हैं या नहीं। इस तरह की साक्षरता को उपनिवेशवाद और उसके प्रकार से जोड़कर देखा जाता है। उपनिवेशिवाद अक्सर इस बात को मानता है कि औपनिवेशिक जाति से पहले किसी भी प्रकार की साक्षरता अस्तित्व में थी ही नहीं। फलस्वरूप उपनिवेशवाद का एक लक्ष्य,खासकर अफ्रीका में (भारत में भी) लोगों को 'सभ्य बनाना' भी था और इस लक्ष्य की प्राप्ति लोगों को औपनिवेशिक शक्ति की भाषा में 'शिक्षित' करके करनी थी।

औपनिवेशिक शासन के दौरान अफ्रिका में साक्षरता का प्रयोजन इस तथ्य से समझा जा सकता था कि वहां औपनिवेशिक अधिकारी ही शिक्षण-सामग्री निर्धारित करते थे। इस अभ्यास के तहत, साक्षरता लोगों की जरूरतों को पोषित करने का लक्ष्य नहीं पूरा करती थी। वरन् यह औपनिवेशिक शक्तियों के हितों की पूर्ति करती थी। इसलिए जहां-जहां यूरोपीय शासन स्थापित हो चुका था, वहां रोमन लिपी अपनायी गयी और जहां अरबों की राजनीतिक सत्ता थी,वहां अरबी लिपि ही अपनाई गयी। उस समय जिस प्रकार की साक्षरता प्रचलन में थी, उनका मूल लक्ष्य लोगों को लाभकारी रोजगार पाने में मदद करना नहीं था बल्कि जितने लोगों को साक्षर होने को प्रमाण-पत्र दिया गया, उन्होंने स्वयं को रोजगार के अयोग्य पाया और बेरोजगार ही रहे। उनकी आशाएँ बिखर गयी थीं और वे इतने हताश हो गये थे कि वे यह सोचने लगे थे कि साक्षरता क्या सचमूच कोई आवश्यकता भी है?

दूसरे प्रकार की साक्षरता और चुनौतियां वे थीं जिन्हें रूसी क्रांति के बाद साम्यवादी देशों ने प्रोत्साहित किया। यह जमीन से जुड़ी और जनोन्मुखी साक्षरता थी जिसका उपयोग लोगों को विकास के लिए सक्रिय बनाने के लिए किया जाता था राज्य अपने लाभ के लिए नियंत्रण रखते और इस तरह के विकास के लक्ष्य को हासिल करते थे। साम्यवादी राज्य इस प्रकर की साक्षरता से जिस तरह का विकास हासिल करना चाहते थे, उसमें किसी प्रकार की असहमति आ अस्वीकृति की संभावना नही थी। प्रतिबद्ध नेतृत्व द्वारा घोषित लक्ष्यों की पूर्ति संगठनों एवं लोगों द्वारा की जाती थी। इथेपिया, निकारागुआ, क्यूबा, तनजानिया ओर पूर्व सोवियत संघ में ऐसी ही पद्धति अपनाई गयी थी। इस प्रकार की साक्षरता के साथ एक कठिनाई यह भी थी कि यह तभी तक चल पाती थी जबतक कि उन साम्यवादी देशों में स्थायी और सुदृढ़ नेतृत्व बना रहता था लेकिन बदलाव की शक्तियां इस प्रकर की साक्षरता की उपलब्धियों और गति को निर्लिप्त भाव से बहाकर ले गयीं। इसके अलावे भी एक दूसरे प्रकर की साक्षरता है जो लोगों को कार्यक्रमों, अपने मस्तिष्क और मूल्यों पर आधिपत्य जमाने के लिए सबल यानी 'एमपावर' करती है। इस प्रकार की साक्षरता चीन में देखने को मिली, जहाँ देशभक्ति एवं प्रतिबद्धता ही साक्षरता की गति को निरंतर जारी रखने का औजार थी।

एक अन्य प्रकार की साक्षरता है जो जमीन से जुड़ी है और जिसका लक्ष्य लोगों को गरीबी रूगणता और उपेक्षा की बेड़ियों से मुक्त करना है। इसी प्रकार की साक्षरता की वकालत 'पाओलो फ्रेरे' ने की थी। यह उस प्रकार की साक्षरता है जिसमें लोग खुद सीखने वाला समुदाय बनाते है। इस प्रकार की साक्षरता सीखने वाले को तथ्यों/मुद्दें की जांच करने, सवाल उठाने और विचार-विमर्श करने का अवसर देती है। ये लोग ही सीखने के इस उद्यम के मालिक-मालकिन होते है। वे लोग जो कुछ सीखना चाहते हैं उसके लक्ष्य तरीके और उनके अनुप्रयोग वे स्वयं निर्धारित करते हैं। यह मॉडल साक्षरता को उन लोगों के संदेह से परे रखता है जो साक्षरता को कुशलतापूर्वक मनमाफिक कुछ करने-करवाने का साधन मानते है। बल्कि इसमें 'लर्नर्स' इतने विवेकी हो जाते हैं कि पढ़ने-लिखने और गणन करने की दक्षता हासिल करके वे स्वयं विकास की प्रक्रिया शुरू करने में प्रभावी तौर पर सक्षम हो जाते हैं।

एक अन्य प्रकार की साक्षरता है। जिसे पश्चिम में अपनाया गया है।यह व्यक्ति के सीखने के अधिकार के सिद्धांत पर आधारित है। इस प्रकार के मॉडल में सरकार बच्चे को निःशुल्क साक्षरता-दक्षताएं सिखाती है। संयुक्त राष्ट्रसंघ द्वारा पारित अधिकार-संबंधी बिल में भी इसका उल्लेख किया गया है कि हरेक नागरिक को शिक्षा का जन्मसिद्ध अधिकार है। उदाहरण के लिए, द्वितीय विश्वयुद्ध में हार के बाद जापानियों और जर्मनों में अपने देशों में तेजी से विकास का लक्ष्य हासिल करने के लिए साक्षरता की इसी प्रकर की अबाधित प्रक्रिया अपनायी थी।

सभी राष्ट्रों ने शुरू से ही यह महसूस किया है कि साक्षरता सभ्यता को सुगम बनाती है। इसलिए जिन राष्ट्रों ने साक्षरता को प्रोत्साहित किया है, उन्हें साक्षरता का लाभ सतत मिलता रहा है। उदाहरण के लिए, मिस्र की सभ्यता,मिस्रवासियों द्वारा साक्षरता को प्रोत्साहित करने के प्रयासों से जुड़ी है मिस्र की सभ्यता में केवल फराह, कब्र और पिरामिड शमिल नहीं हैं इसमें गूढ़ाक्षर-विज्ञान भी शामिल हैं और इससे मिस्र की सभ्यता को विकसित होने में काफी मदद मिली है। इस तरह के गूढ़ाक्षरों की उत्पत्ति और चलन से लिखने की संस्कृति पैदा हुई और तब विचारों का आदान-प्रदान शुरू हुआ। इसका ही यह सुपरिणाम है कि सेंट अगस्टिन जैसे अनेक मिस्री विद्वान सामने आये और जिनकी प्रासंगिकता आज भी बनी हुई है। ठीक इसी प्रकार, पारसी, अरबी और यूरोपीय सभ्यताएं भी साक्षरता के प्रोत्साहन और उन्नति से गहरे जुड़ी रही हैं। इसलिए इस बात पर बहस करना कि साक्षरता का विकास से सीधा संबंध है। या नहीं, बिल्कुल अनावश्यक प्रसंग के विपरीत और एक हद तक शैतानी भरा भी है। अच्छा या बुरा,कुछ भी हो साक्षरता, दक्षतामूलक साक्षरता अर्थात कार्यात्मक साक्षरता और विकास के बीच का संबंध चुनोतियों भरा है।

साक्षरता, दक्षतामूलक साक्षरताओं और विकास के बीच के अंर्तसंबंधों पर बहस अभी जारी रहनी चाहिए क्योंकि हमारा विवेक हमें यह स्वीकार करने का बल देता है कि अभी भी हमें इन सवालों को कोई सटिक उत्तर नहीं मिला है। यह तो निश्चित ही है कि कुछ साक्षरताएं हमें विकास की और ले जाती हैं, तो कुछ ठहराव और अविकास को बढ़ावा देती हैं। इसलिए यह सभी नागरिकों का दायित्व है। कि विकास के हर चरण में वे किस प्रकार साक्षरता को सर्वाधिक उपयुक्त मानते हैं, यह बात सामने लायें ।एक बात जो बिलकुल तय है, वह यह है कि साक्षरता के कुछ उपाय विकास और सशक्तिकरण की प्रक्रिया में बहुत ही महत्वपूर्ण और कारगर हैं। इस तकनीक-प्रधान युग में भी साक्षरता 'सेल्फ-एक्शुअलाइजेशन' का साधन बनी हुई है। अप्रैल 2000 में यूनेस्को द्वारा आयोजित 'वर्ल्ड एजुकेशन फोरम' में हुए विमर्श को संभवतः साक्षरता के इसी पक्ष से दिशा मिली होगी। कुछ साल पहले यूनेस्को ने 21 वीं सदी के लिए शिक्षा विषयक अंतर्राष्ट्रीय समिति का गठन किया था ताकि शिक्षा और ज्ञान को फिर से परिभाषित किया जा सके। जैकस डेलास की अध्यक्षता वाली इस समिति ने ज्ञानमूलक समाज में शिक्षा को चार स्तंभों में प्रतिज्ञापित कर प्राचीन पश्चिमी एवं पूर्वी ज्ञान के विवेक का विवेचन किया है। वे चार स्तंभ हैं जानने के लिए पढ़ना, करने के लिए पढ़ना, होने के लिए पढ़ना और, मिलजुलकर रहने के लिए पढ़ना। यानी आज व्यक्ति, परिवार, समाज, राष्ट्र और संपूर्ण मानव समुदाय के लिए ज्ञान आवश्यक है, सभी प्रकार के क्रिया-कलापों के निष्पादन के लिए भी आवश्यक है।

आज विकासशील दुनिया में साक्षरता की वांछनीयता पर बहस करने की जरूरत नहीं हैं। बल्कि जरूरत इस बात की है कि एक ऐसी सोची-समझी रणनीति तय की जाय ताकि निरक्षरता पूरी तरह मिटाई जा सके और प्रत्येक व्यक्ति को एक ऐसा आधार मिल सके जिस पर विकास की प्रक्रिया की नींव डाली जा सके। यही संभवतः समानता और चयन की स्वतंत्रता की हमारी परिभाषा भी है।

जयपुर आने वाले पर्यटकों की सुविधा के लिए यहां की विरासत के संरक्षण के साथ हो विकास कार्य : उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी

चमकता राजस्थान

जयपुर, 07 सितम्बर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में जयपुर में आने वाले पर्यटकों के प्रवास को और अधिक खुशनुमा और सुविधा पूर्ण बनाने के लिए यहां की विरासत को कायम रखते हुए विकास कार्यों को किये जाने और पर्यटकों को होने वाली असुविधाओं के निराकरण के सम्बन्ध में शनिवार को सचिवालय में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में प्रमुख सचिव नगरीय विकास वैभव गालरिया, मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक पवन कुमार उपाध्याय, शासन सचिव पर्यटन रवि जैन, जेडीसी आनंदी, जयपुर जिला कलेक्टर जीतेन्द्र कुमार सोनी, नगर निगम हेरिटेज के आयुक्त अभिषेक सुराणा और, पुलिस अतिरिक्त उपायुक्त यातायात सागर, अतिरिक्त निदेशक पर्यटन राकेश शर्मा, उपनिदेशक पर्यटन उपेन्द्र सिंह शेखावत उपस्थित रहे। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बताया कि जयपुर में बड़ी संख्या में पर्यटकों का आगमन होता है। यहाँ आने वाले पर्यटकों को लिए बेहतर सुविधायें विकसित हो इसके लिए कार्य किया जाना है।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने बजट में चार दिवारी शहर के हेरिटेज संरक्षण

और विकास के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है।

उन्होंने कहा कि शहर में कई स्थानों पर कचरा पांइट बने हुए हैं जहां पर गंदगी देखने में आती हैं, इन कचरा प्लाइंट का समाधान किया जाना चाहिए। शहर की क्षतिग्रस्त लाइटों की मरम्मत की जाए इसके साथ ही हेरिटेज शैली से भवनों एवं बाजारों में की गई रौशनी (इल्युमिनेशन) मरम्मत और उनका सुचारू रूप से संचालन सुनिश्चित हो। डस्टबिन लगाने का कार्य किया जाए एवं शहर का विरुपन करने वाले पोस्टर बैनर हटाये जाए। उपमुख्यमंत्री ने चारदीवारी में बे–तरतीब यातायात को एक बड़ी चिंता का विषय बताते हुए इसके समाधान पर चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यातायात को सुगम बनाने के उपाय किए जाए। कुछ पार्किंग पाइंट निर्धारित कर वहां नियमित पार्किंग सुनिश्चित हो। रामबाग में बनी पार्किंग में व्यापारी और आगन्तुक दोनों ही वाहन पार्क कर परकोटे के यातायात को सु व्यवस्थित बनाने में सहयोग प्रदान करें। इस हेतु आवश्यक उपाय किए जाए। उन्होंने अधिकारियों को परकोटे में इलेट्रिक बसे चलाने तथा ई–रिक्शा को भी योजनागत व्यवस्थित रूप से संचालित किये जाने के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री ने कहा के परकोटा के हेरिटेज का मूल गुलाबी रंग कायम रहें।अस्त-व्यस्त तरह से लटके हुए कैबल्स वायर्स शहर की खूबसूरती को खराब कर रहे हैं इन्हें हटाया जाए। उन्होंने कहा कि पूरे चारदीवारी क्षेत्र में विद्युतीकरण भूमिगत किया जाए अथवा एकीकृत भूमिगत लाइन विकसित की जाए, जिससे इस समस्या का स्थाई समाधान सुनिश्चित हो सके। दिया कुमारी ने कहा कि विरासत संग्रहालय (राजस्थान स्कूल ऑफ आर्ट) को इस तरह विकसित किया जाए। जिससे कि यहां पर कलाकार और शिल्पी अपनी कलाओं का प्रदर्शन कर सके और वे अपने उत्पादों का विक्रय भी कर सके।

बैठक में जल महल की पाल के सौंदर्यकरण, मानसागर झील में वाटर लेजेर शो तथा वहां बोटिंग की संभावनाओं पर चर्चा की गई। साथ ही आमेर मावठा पार्किंग समस्या के निराकरण पर भी चर्चा की गई।

संक्षिप्त समाचार

श्री विनायक सेवा समिति की बैठक सत्यनारायण धर्मशाला बाड़ी में गणेश चतुर्थी को लेकर आयोजित

चमकता राजस्थान। धौलपुर(रामदास तरुण)। श्री विनायक सेवा समिति के सदस्यों की बैठक निजी श्री सत्यनारायण धर्मशाला में आयोजित की हुई !जिसेमें समस्त कार्यकारिणी एवं सभी सदस्यों को गणेश जी के 5 दिन के पर्व पर सभी को जिम्मेदारी दी गई एवं। 29 जनवरी को दुर्गा पाठ बाड़ी केला माता मंदिर पर आयोजित किया जाएगा जिसकी रूपरेखा तैयार की गई! केलादेवी माता मंदिर पर जागरण, पाठ , 56 भोग फूल बंगला का आयोजन किया जाएगा !आज बैठक में मौजूद वरिष्ठ सहयोगी पप्पू मल जिंदल ने सभी उपस्थित महानुभावों को 5 दिन के गणेश पर्व के अवसर पर गुटका, तंबाकू, बीड़ी, सिगरेट, दारू और सभी व्यसनों का 5 दिन तक ना करने का आवान किया। आज की मीटिंग में उपस्थित राजेंद्र मंगल उर्फ खन्ना अध्यक्ष, रामकुमार चौधरी महामंत्री, पवन गोयल डांग वाले कोषाध्यक्ष एवं अंतराम पोद्दार, संजय, रमनकुमार, राघव , सुलभ, विष्णु मराठा, पप्पू मल जिंदल, दुर्गा, नीतू, लोकेश, रिंकू, राजेंद्र, बृजेश, संदीप, भानु, एवम समस्त महिला कार्यकारिणी और समस्त कार्यकारिणी उपस्थित रहीं।

पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलेट का जन्मदिन सांसद संजना जाटव के नेतृत्व में बड़ी धूमधाम से मनाया

चमकता राजस्थान। नदबई (राजवीर सिंह)। 7 सितंबर 2024 को भरतपुर सांसद संजना जाटव के नेतृत्व मे ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नदबई मे पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष महिला हेमलता जौहरी की अध्यक्षता मे जन-जन के नेता, राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री सचिन पायलट का जन्मदिवस नदबई कांग्रेस कार्यालय गिरीश विहार हलैना रोड वार्ड नंबर 19 पर बड़ी धूमधाम से मनाया गया, जिसमे गायो को चारा एवं गुड़ खिलाया गया। इस मौके पर गिरीश जौहरी प्रदेश महासचिव एससी,अशोक खंडेलवाल, गिरवर सागर, अशोक बंजारा, केशव प्रजापत, भूपेंद्र, ठाकुरदास, तुषार जौहरी, अंकित, अशोक वकील, चेनपाल, सोहन सिंह, रतनलाल, रामसिंह मिल्कीपुरा,ममता देवी, कमलेश, सुजाता,आदि समस्त कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पैर फिसलने से पोखर में डूबने से युवक की मौत

चमकता राजस्थान। नदबई (राजवीर सिंह)। तहसील के गांव बरौलीछार में पैर फिसलने से युवक की पोखर में डूबने से मौत हो गई। शनिवार सवेरे आस-पास के लोगों ने शव तैरता देखा और परिजनों को सूचना दी। जानकारी के अनुसार बरौलीछार निवासी उपेंद्र जाटव (30) पुत्र भगवान सिंह शुक्रवार रात को करीब 8-9 बजे घर से निकला था। सुबह जब उपेंद्र घर नहीं आया, तो परिजन उसे ढूंढने निकले। वहीं सुबह राहगीरों को पोखर में युवक का शव तैरता हुआ दिखा। ग्रामीणों ने शव को बाहर निकाला और घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दी। सूचना पर मृतक के परिजन मौके पर पहुंचे। मृतक के छोटे भाई ने बताया कि रात को उपेंद्र घर से करीब 8-9 बजे निकला था। पोखर में पैर फिसलने से उसके बड़े भाई की मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के उपलक्ष्य में बालिका शिक्षा प्रोत्साहन का दिया संदेश

शिक्षा सेतु योजना में पंजीकरण की जानकारी दी

चमकता राजस्थान

धौलपुर(रामदास तरुण) । धौलपुर, 7 सितंबर 24 को महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के निर्देशानुसार जिला कलक्टर श्रीनिधि बीटी के आदेश परअंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किये जा रहे दो दिवसीय कार्यक्रमो की श्रृंखला में शनिवार को जिले की सभी ग्राम पंचायतों में विशेष जाजम बैठकों का आयोजन किया गया। बैठको में बालिका शिक्षा प्रोत्साहन हेतु औपचारिक नियमित शिक्षा में नामांकन वृद्धि, ड्रॉप आउट रोकने के साथ साथ राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल से घर बैठे शिक्षा सेतु योजना के माध्यम से बालिकाओं और महिलाओं को घर बैठे 10वी और 12 वी करने की योजना के बारे में बताते हुए बिना विलंब शुल्क अंतिम आवेदन की तिथि 30 सितम्बर 2024 तक अधिकाधिक आवेदन

करने की अपील की गई। कार्यक्रमो में विद्यालयों में शिक्षा विभाग के पीईईओ स्तर के अधिकारियों के साथ साथ महिला अधिकारिता विभाग की सुपरवाइजर, जेंडर स्पेशलिस्ट, साथिनों द्वारा विद्यालयों एवं अन्य स्थानों पर जाजम बैठकों का आयोजन किया गया। बैठकों में ग्राम पंचायत की स्थानीय महिलाओं के साथ साथ विद्यालय की छात्राओं द्वारा भाग लिया गया। जिले में महात्मा गांधी राउमावि सिटी कोतवाली, राउमावि राजाखेडा, राउमावि बसेडी, राउमावि सैपऊ, राउमावि बाड़ी, राउमावि धौलपुर, राउमावि अजीतपुरा, राउमावि अनन्दापुरा, राउमावि डंडॉली, राउमावि दुल्हारा, राउमावि कोटरा, राउमावि फिरोजपुर, राउमावि महुआखेड़ा, राउमावि टांडा को राजस्थान ओपन स्कूल हेतु संदर्भ केंद्र बनाया हुआ है, पंजीकरण आदि कार्यवाही सम्पादित की जा सकती है।

सूरत महानगर पालिका महापौर दक्षेश मावानी का अभिनंदन

चमकता राजस्थान

जयपुर। विप्र फाउंडेशन जयपुर टीम की ओर से शनिवार को जयपुर प्रवास पर आए सूरत महानगर पालिका के महापौर दक्षेश मावानी का अभिनंदन किया गया।

सूरत महापौर ने बताया कि महानगर पालिका की ओर से भगवान परशुराम जी के नाम पर एक सर्किल बनाया जाएगा। मावाणी का अभिनंदन करने वालों में संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विमलेश शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री सतीश शर्मा, इस्पेक के राष्ट्रीय प्रभारी प्यारे लाल शर्मा, पार्षद मुकेश शर्मा काका, पारस जैन, जयपुर ग्रामीण अध्यक्ष रमेश मावेवाला,जोन 1 सी के राहुल शर्मा, पुष्पेंद्र शर्मा, राहुल पांडे रामबाबू शर्मा आदि उपस्थित थे।

सचिन पायलट के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर का आयोजन, पूर्व राज्यमंत्री राजीव अरोड़ा हुए शामिल

चमकता राजस्थान। जयपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव और राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के जन्मदिन पर प्रदेश में कई स्थानों पर रक्तदान शिविर आयोजित किए गए। इस उपलक्ष्य में जयपुर के राजापार्क में आयोजित रक्तदान शिविर में पूर्व राज्य मंत्री और जयपुर सिटिज़न फोरम के चेयरमैन राजीव अरोड़ा भी शामिल हुए। जितेंद्र खींची द्वारा आयोजित इस रक्तदान शिविर में युवाओं ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की। राजीव अरोड़ा ने रक्तदाता युवाओं का हौसला बढ़ाते हुए, इसे मानवता के हित में एक पुनीत कार्य बताया। अरोड़ा ने सचिन पायलट को जन्मदिन की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि पायलट सम्पूर्ण प्रदेश में और विशेषकर युवाओं में बेहद लोकप्रिय हैं, यही कारण है कि प्रदेश में बड़े पैमाने पर उनके जन्मदिन के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर के आयोजन हो रहे हैं। आयोजक जितेंद्र खींची ने बताया कि इस शिविर में कुल 213 यूनिट रक्तदान हुआ।

विप्र फाउंडेशन ने न्यू गेट पर की गणेश पूजा

चमकता राजस्थान। जयपुर। विप्र फाउंडेशन ने जयपुर सांसद मंजू शर्मा के सानिध्य में न्यू गेट स्थित गणेशजी की पूजा अर्चना कर गणेशोत्सव मनाया।

विप्र फाउंडेशन की ओर से न्यू गेट पोल पर स्थित गणेशजी की पूजा अर्चना कर मनाए जाने वाले गणेशोत्सव अवसर पर संस्था के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कर्नल,प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष राम गोपाल जी शर्मा व धर्मेंद्र शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री सतीश शर्मा , प्रदेश महामंत्री गजेंद्र ज्ञान ज्ञानपुरीया , प्रदेश मीडिया प्रभारी राहुल पांडे ,सचिव बसंत शर्मा ,वाई के गौड़,प्रदेश सचिव कृष्ण शर्मा, पुष्पेंद्र शर्मा ,संतोष शर्मा ,नर्सिंग एवं मेडिकल प्रकोष्ठ से महेश शर्मा ,जयपुर शहर अध्यक्ष महेंद्र शर्मा ,जयपुर ग्रामीण अध्यक्ष रमेश मावेवाले, डॉ॰ अशोक दूबे ज,वैभव शर्मा, शुभम-शर्मा,प्रदीप शर्मा, दिलीप शर्मा, कमल शर्मा ,राजेश शर्मा, हरीश कौशिक, राजस्थान विश्वविद्यालय से अनिकेत शर्मा आदि मौजूद थे।

सुर ताल उत्सव का दूसरा दिन

शास्त्रीय संगीत और ओडीसी नृत्य से गुलज़ार हुआ जेकेके परिसर

चमकता राजस्थान

जयपुर,7 सितम्बर। डेल्फीक काउन्सिल ऑफ़ राजस्थान द्वारा जवाहर कला केंद्र में आयोजित किए जा रहे तीन दिवसीय सुर और ताल महोत्सव की दूसरी संध्या सौरव वशिष्ठ के शास्त्रीय गायन और ओडीसी नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति के नाम रहीं । पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र और उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के सहयोग से आयोजित किए जा रहे इस महोत्सव में सुबह के सत्र में प्रसिद्ध फोटोग्राफर शिरीष कराले नें विधार्थिओं को फोटोग्राफी की बारीकीयों से अवगत करवाया जिसमें स्टूडेंट्स को प्रोडक्ट फोटोग्राफी, लाइट्स का प्रयोग, पोर्टरेट फोटोग्राफी सीखने को मिला।

शाम को रंगायन सभागर में पंडित

कुंदनमल शर्मा के शिष्य युवा शास्त्रीय गायक सौरभ वशिष्ठ नें राग हंसध्वनि में विलम्बित रचना विघ्न हरण गज वदन गजानन और द्रुत रचना में लागी लगन सखी पति सन की मनभावन प्रस्तुति दी ` अपनी प्रस्तुति में उन्होंने रागदारी, आलाप, तान का अत्यंत सुंदर संयोजन प्रस्तुत किया उनके साथ तानपुरे मेन अजय कुमार, तबले पर मल्हार मुखर्जी, हारमोनियम पर गजेंद्र डांगी जी नें संगत की।

कार्यक्रम की दूसरी प्रस्तुति ओडीसी के प्रसिद्ध युवा नृतक कृष्नेन्दु शाह और ग्रुप की रहीं। अपनी प्रस्तुति में उन्होंने भगवान गणेश पर आधारित मंगलाचरण और राग झिझोटी में कृष्ण और भक्त के परस्पर प्रेम को दर्शाया इस नृत्य प्रस्तुति में उनके साथ सृष्टि पांडे, शिविका माथुर, केतिकी मुंद्रा,रुद्राक्षी चतुर्वेदी, सिथू और भोलाक्षिका नें अपने सुन्दर नृत्य संयोजन से दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

राजस्थान डेल्फिक काउंसिल की अध्यक्ष श्रीमती श्रेया गुहा ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन के ज़रिये डेल्फिक काउंसिल प्रदेश की समृद्ध लोक संगीत एवं कलाओं (शास्त्रीय संगीत, भारतीय ×फल्म संगीत, लोकप्रिय संगीत, शास्त्रीय नृत्य, लोक नृत्य, समकालीन नृत्य, फोटोग्राफी) के प्रति युवाओं की भागीदारी को बढाने के दिशा में कार्य कर रहीं है , जिसके ज़रिये कला व संस्कृति के प्रदर्शन के लिए युवाओं को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच प्रदान किया जा रहा है।

इस अवसर पर पश्चिमी क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक मो. फुरकान खान, काउन्सिल के सदस्य आरएएस अधिकारी सुश्री शिप्रा शर्मा, सुश्री कीर्ति शर्मा, नवीन त्रिपाठी, राहुल सूद भी उपस्थित रहें।

व्यक्ति को अपना बचपन, जवानी और बुढ़ापा सुधारना है तो करें माता-पिता की सेवा: मदन राठौड़

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड ने की गणेशोत्सव-2024 समारोह की अध्यक्षता

चमकता राजस्थान

जयपुर 7 सितंबर 2024। गणेश चतुर्थी पर सिविल लाइंस के अजमेर रोड स्थित द ग्रैंड अनुकंपा के प्रतिष्ठा बैंक्वेट में शनिवार को विशाल गणेशोत्सव-2024 समारोह का आयोजन किया गया। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में प्रथम पूज्य गणपति की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर गणेशोत्सव का श्रीगणेश किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने की और कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय प्रचारक निंबाराम रहे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि आज देवताओं में गणेश प्रथम पूज्य इसलिए है क्योंकि उन्होंने अपने माता-पिता को सम्मान दिया। माता-पिता को अपना संसार मानते हुए उनकी परिक्रमा करने वाले बाल गणेश ने ये सिद्ध कर दिया था कि व्यक्ति के जीवन में जो स्थान माता-पिता का है वो किसी अन्य का नहीं हो सकता। माता-पिता की सेवा, सम्मान और आदर भाव से व्यक्ति अपना बचपन, जवानी एवं बुढ़ापा सुधार सकता है। आज की नई पीढ़ी वो सीख रही है जो वो देख रही है। अगर आप ने अपने माता-पिता की सेवा की तो आपके बुढापे में आपकी सेवा होगी, नहीं तो जैसा आप करेंगे वैसा और उससे दोगुना आपके लिए तैयार है। राठौड़ ने वृद्धाश्रम की संख्या बढ़ने पर तंज कसते हुए कहा कि अगर आप अपने माता-पिता को वृद्धाश्रम में छोड रहे हो तो भविष्य में आपके बच्चे भी आपके साथ ऐसा ही करेंगे। इसलिए अपने माता-पिता की सेवा करने के साथ उन्हें मान-सम्मान जरूर दें।

गणेशोत्सव में विशिष्ट अतिथि सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा ने स्वागत भाषण के बाद राज्यपाल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सहित अन्य अतिथियों का साफा, दुपट्टा, माला स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया। अति विशिष्ट अतिथि जेईसीआरसी के उपाध्यक्ष अमित अग्रवाल थे। सिविल लाइंस के सबसे बड़े गणेशोत्सव में चित्रकला प्रतियोगिता ड्रॉइंग ओलम्पियाड के विजेता विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न और सम्मान निधि देकर पुरस्कृत किया गया। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने टॉप 9 विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम में एकलव्य स्कूल के विद्यार्थियों ने गणेश वंदना और राजस्थानी लोक गीतों की सुंदर प्रस्तुतियां दीं। वेदव्यास और रोहित ग्रुप ने भी गणेश वंदना तथा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। इस दौरान गणेशजी की विभिन्न लीलाओं पर आधारित प्रस्तुतियां आकर्षण का केन्द्र रहीं। विभिन्न विद्यालयों के बच्चों की ओर से भी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस दौरान समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट एवं एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड़ के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में किए फल वितरण

चमकता राजस्थान। भुसावर (राजवीर सिंह)। भुसावर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एआईसीसी के महासचिव एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट और एनएसयूआई राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड़ के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में भुसावर सीएचसी में मरीजों को फल वितरण कर जन्मदिवस बड़ी धूमधाम से मनाया।अमित कुमार एनएसयूआई कार्यकर्ता, धारा सिंह मीना ब्लॉक कांग्रेस महासचिव वैर, सुरेंद्र कासोटिया,हेमंत,गौरव,राज, मुखन गुर्जर,अनिल,अनूप कुमार, शैलेश आदि कांग्रेस कार्यकर्त्ता साथ रहें।

नेट-थियेट पर पधारो बिंदायक भजन संध्या

- रनत भंवर सु आजो, थे रिद्धि सिद्धि का भरतार

चमकता राजस्थान। जयपुर। नेट-थियेट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज पधारो बिंदायक कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध भजन गायक आनंद पुरोहित ने अपनी सुरीली आवाज से रिद्धि सिद्धि के दाता गजानंद के भजनों की ऐसी अविरल धारा प्रवाहित की दर्शक गणपति बप्पा की जय जयकार करने लगे।

नेट-थियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर कलाकार आनंद ने अपने कार्यक्रम की शुरूआत रनत भंवर सु आजो, थ रिद्धि सिद्धि का भरतार से की। इसके बाद उन्होंने भजन गणपति पुरण कीजो काज, जो मांगे दाता तुरंत देते हैं, पूर्ण कीजो काज को बड़े ही सरीले अंदाज में सुना कर दर्शकों को मंत्र मुग्ध किया। कलाकार आनंद पुरोहित ने अंत में गणपति का सुप्रसिद्ध भजन हे लंबोदर हे गणनायक मूसक विराजे सिद्धि विनायक, आंगन पधारो म्हारे गौरी गजानन, मोदक चढ़ाऊ थारै लाख सवा मन को बड़े ही मनोयोग से गाकर प्रथम पूज्य गणपति को मनाया।

आनंद पुरोहित के साथ कोरस मे लवीना भार्गव, तनु कवर, योगेश शर्मा और मोहित सैनी ने सुरीला साथ निभाया।

इनके साथ तबले पर प्रसिद्ध कलाकार धनंजय डांगी ने अपनी सुरीली संगत से इस संध्या को खुशनुमा बना दिया। गिटार पर आयुष पुरोहित ने अपनी शानदार संगत से दर्शकों की तालियां बटोरी '

संयोजक नवल डांगी तथा प्रकाश एवं कैमरा मनोज स्वामी एवं संगीत विनोद सागर गढवाल ने किया। मंच सज्जा वीरेंद्र सिंह राठौड़,अंकित शर्मा नोनू एवं जीवितेश शर्मा की रही।

राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने 'रिलायंस फाउंडेशन स्किलिंग अकादमी' लॉन्च की

- युवाओं को नए जमाने की तकनीक से नौकरी पाने में मिलेगी मदद
- अकादमी, उद्योग विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन की सुविधा प्रदान करेगी

चमकता राजस्थान। मुंबई। केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने शुक्रवार को 'रिलायंस फाउंडेशन स्किलिंग अकादमी' का शुभारंभ किया। यह अकादमी युवाओं को भविष्य की नौकरियों के लिए तैयार करेगी और उन्हें कौशल, पुनर्कौशल और उन्नत कौशल विकास में मार्गदर्शन प्रदान करेगी। अकादमी की शुरुआत राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के सहयोग से आयोजित सम्मेलन में की गई। 'भविष्य की नौकरियों के लिए युवाओं को सशक्त बनाना' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में इस प्लेटफॉर्म का शुभारंभ हुआ। यह सम्मेलन रिलायंस फाउंडेशन द्वारा एनएसडीसी के सहयोग से आयोजित किया गया था। लॉन्च के मौके पर जयंत चौधरी ने कहा, ₹भारत का युवा आज अपार अवसरों के मोड़ पर खड़ा है और रिलायंस फाउंडेशन तथा एनएसडीसी के बीच यह सहयोग उन्हें भविष्य की नौकरियों के लिए सशक्त बनाने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। रिलायंस फाउंडेशन के सीईओ जगन्नाथ कुमार ने बताया कि यह अकादमी युवाओं को उनके सपनों को पूरा करने और भविष्य की नौकरियों के लिए तैयार करने की दिशा में एक बड़ा प्रयास है। इस अकादमी का उद्देश्य अगले एक साल में 6 लाख युवाओं को सशक्त बनाना है। एआईसीटीई के सहयोग से इसके पाठ्यक्रम देशभर के उच्च शिक्षण संस्थानों में उपलब्ध होंगे।

डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने संभाला जयपुर जिला कलक्टर का पदभार

सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को बताया प्राथमिकता

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 06 सितंबर। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने शुक्रवार को जयपुर जिला कलक्टर का पदभार ग्रहण किया। निवर्तमान जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी को चार्ज सौंपा। डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने कहा कि जिला प्रशासन के सभी अधिकारियों के साथ मिलकर राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार की लोक कल्याणकारी नीतियों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए के गुड गवर्नेंस की परिकल्पना को साकार करना उनका लक्ष्य रहेगा। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत आमजन की परिवेदनों का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण किया जाएगा। साथ ही, ई-गवर्नेंस को बढ़ावा देते हुए ई-फाइल सहित अन्य आईटी आधारित नवाचारों को प्रोत्साहित किया जाएगा।पदभार ग्रहण करने के बाद जिला कलक्टर ने जिला प्रशासन के उच्चाधिकारियों से मुलाकात की।

- **यें अधिकारी रहे मौजूद**

इस दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रथम) सुरेश कुमार नवल, अतिरिक्त जिला कलक्टर (द्वितीय) नीलिमा तक्षक, अतिरिक्त जिला कलक्टर (तृतीय) राजकुमार कस्वां, अतिरिक्त जिला कलक्टर (चतुर्थ) लोकेश कुमार मीणा, अतिरिक्त जिला कलक्टर (पूर्व) सुमन पंवार, उपखण्ड अधिकारी जयपुर-प्रथम राजेश जाखड़, उपनिदेशक जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी हेत प्रकाश शर्मा सहित अन्य विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में बतौर मिशन निदेशक जिम्मेदारी निभा चुके हैं। साथ ही, उन्हें बतौर कलक्टर अलवर, नागौर, झालावाड़, जालोर जिले में जनहित से जुड़े कई नवाचारों के लिए जाना जाता है।

कांग्रेसियों ने सचिन पायलट का जन्मदिन गौ सेवा कर मनाया

चमकता राजस्थान। जयपुर/अजमेर (खलील कुरैशी)! अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव एवं राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट का 47 वां जन्म दिन आज अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विजय जैन के नेतृत्व में गौ सेवा संकल्प दिवस के रूप में मनाया गया इस मौके पर नारेली तीर्थ स्थित गौशाला में गौ पूजा कर गायों को गुड चारा अर्पित कर पायलट के दीर्घायु की कामना की।इस अवसर पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की उपाध्यक्ष एवं पूर्व शिक्षा राज्य मंत्री नसीम अख्तर इंसाफ प्रदेश सचिव रश्मि हिंगोरानी रेनू मेघवंशी सुनील लारा महेंद्र सिंह रलावता शिव प्रकाश गुर्जर पूर्व विधायक नाथूराम सिनोदिया हाजी इंसाफ अली प्रताप यादव गिरधर तेजवानी सौरभ बजाड शिवकुमार बंसल नरेश सत्यवाना आरिफ हुसैन श्याम प्रजापति राकेश शर्मा निर्मल बेरवाल पवन ओड राकेश धाबाई कैलाश कोमल दिनेश के शर्मा अब्दुल फरहान भगवान सिंह चौहान सोनल मौर्य मीनाक्षी यादव सुनील धानका बीरम सिंह रावत कपिल सारस्वत नितिन जैन मनीष सेठी हमीद चीता रेखा पींगोलिया धर्मेंद्र नागवाल मनीष शर्मा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गौ सेवा सवामणि, पौधारोपण एवं अस्पताल में मरीजों को फल वितरित कर मनाया गया सचिन पायलट का जन्म दिवस।

चमकता राजस्थान। कोटपूतली-बहरोड (धर्मेंद्र बंसल)। कोटपूतली में राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, लोकप्रिय युवा ह्रदय सम्राट, किसान गरीब मजदूर नौजवान की बुलंद आवाज़ सचिन पायलट का 47वा जन्मदिन मनाया गया। इस मौके पर अनेकों कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसके अंतर्गत यहां के खेड़ा निहालपुरा ग्राम में स्थित गौशाला में गौ सवामणि, राजकीय लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय में पौधारोपण कार्यक्रम करने के पश्चात राजकीय बीडीएम अस्पताल में भर्ती मरीजों को फल वितरित करके पूर्व डिप्टी सीएम का जन्म दिवस बड़े हर्षो उल्लास एवं धूमधाम से मनाया गया। उक्त कार्यक्रम देव कसाना एवं अशोक कसाना पूर्व युवा कांग्रेस अध्यक्ष के नेतृत्व में हुआ। इस मौके पर डॉ सतीश अग्रवाल,डॉक्टर अभिलाष मीणा, पूर्व कांग्रेस प्रवक्ता के .एम. बंसल, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष संदीप रावत, विनोद कसाना, पोकर सरपंच, बंटी शर्मा सहित दर्जनों कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा परमपिता परमात्मा से पायलट के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की कामना की।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रेखा यादव ने किया जिला कारागृह का निरीक्षण

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसरण में

चमकता राजस्थान

धौलपुर (रामदास तरुण)। अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण धौलपुर रेखा यादव द्वारा जिला कारागृह धौलपुर का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने जिला कारागृह में स्थापित प्रिजिन लीगल एड क्लिनिक के संबंध में नालसा द्वारा जारी एस.ओ.पी. में वर्णित दिशा-दिशा निर्देशों की पालना सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिये। निर्धन बंदियों के लिए आर्थिक सहायता बाबत अभियान, अपराध के समय से नाबालिग बंदियो को चिन्हित कर आवशयक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये तथा निःशुल्क विधिक सहायता के प्राप्त प्रार्थना पत्रों के संबंध में जानकारी ली। बंदियों को कारागृह में मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं जैसे भोजन, आवास, नाश्ता, स्वच्छ पेयजल, चिकित्सीय सुविधाओं व रसोईघर, बैरक इत्यादि का जायजा लिया तथा उन्होंने कारागृह के निरूद्ध नये बंदियों सहित एक-एक बंदीगण से वार्ता कर उनके प्रकरणों में पैरवी हेतु अधिवक्ता के संबंध में जानकारी ली। इस मौके पर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश) रेखा यादव के अलावा, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसल अमित कम्ठान, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसल मीता अग्रवाल, प्राधिकरण के लिपिक सुरेन्द्र सिंह, कार्यवाहक जेल अधीक्षक पूरन चंद शर्मा, सहित कारागृह का स्टॉफ एवं बंदीजन मौजूद रहे।

पुष्कर में मूसलाधार बारिश के बाद सरोवर के जलस्तर में वृद्धि : जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत

चमकता राजस्थान /रघुनंदन पारीक श्रीनगरः-अजमेर/ पुष्कर

शुक्रवार को तीर्थ नगरी पुष्कर में दो घंटे की मूसलाधार बारिश के परिणामस्वरूप पवित्र पुष्कर सरोवर का जलस्तर 29 फीट तक पहुँच गया। इस अप्रत्याशित बारिश ने क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न कर दी है।

पुष्कर में बारिश के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए मंत्री रावत ने सरोवर का निरीक्षण किया। उन्होंने विशेष रूप से परिक्रमा मार्ग, सावित्री माता मंदिर मार्ग, गुरुद्वारा रोड, पुराना मंदिर व क्षेत्र में जलभराव से प्रभावित कॉलोनियों और बस्तियों का जायजा लिया। मंत्री रावत ने प्रशासन को जलभराव से निपटने के लिए आवशयक दिशा-निर्देश प्रदान किए और प्रशासन तथा अन्य विभागों को निर्देश दिया।

गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर, मंत्री रावत ने सरोवर स्थित श्री गणेश मंदिर में पूजा-अर्चना की स्थानीय जनता के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

प्रशासन का त्वरित और समन्वित प्रयास राहत कार्यों में महत्वपूर्ण साबित हो रहा है, और सभी विभागों की सक्रियता से पुष्कर में स्थिति को जल्द सामान्य करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

अवैध बालू लोडेड 4 ट्रैक्टर व 4 जुगाड़ गाड़ी जब्त

भागलपुर। भागलपुर पुलिस एवं बांका पुलिस ने संयुक्त रूप से अवैध खनन, भंडारण एवं परिवहन के विरूद्ध बड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान सजौर थाना अंतर्गत अवैध बालू लोडेड 04 ट्रैक्टर एवं 04 जुगाड़ गाड़ी जब्त किया गया तथा एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है, जबकि अमरपुर थाना क्षेत्र में भारी मात्रा में भंडारण किया गया बालू जब्त किया गया। उक्त आशय की जानकारी शनिवार को सिटी एसपी श्रीराज ने दी। उल्लेखनीय हो कि वरीय पुलिस अधीक्षक भागलपुर के निदेर्शानुशार अवैध खनन, भंडारण एवं परिवहन के विरूद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस उपाधीक्षक विधि-व्यवस्था भागलपुर, पुलिस उपाधीक्षक नगर-02 भागलपुर एवं बांका एसडीपीओ के संयुक्त कार्रवाई में सजौर एवं अमरपुर थाना क्षेत्र में छापेमारी किया गया।

बाइक की चपेट में आने से बालक की मौत

बिहारशरीफ। नालंदा जिलान्तर्गत एकंगरसराय थाना क्षेत्र के सुंडी बिगहा गांव के पास शनिवार की सुबह एक अनियंत्रित बाइक की चपेट में आने से एक बालक की मौत हो गई। मृतक की पहचान पवन कुमार पिता अखिलेश प्रसाद के रूप में हुई है, जो अपने ननिहाल अनिल प्रसाद के घर आया हुआ था और सड़क पर खेल रहा था। दुर्घटना के बाद घायल पवन कुमार को स्थानीय लोगों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पवन की मौत की खबर से आक्रोशित ग्रामीणों ने बिहारशरीफ-एकंगरसराय सुंडी बिगहा के पास मुख्य सड़क को जाम कर दिया जिससे यातायात पूरी तरह बाधित हो गया।घटना की सूचना मिलते ही एकंगरसराय थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार झा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को समझा-बुझाकर सड़क जाम समाप्त करवाया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहारशरीफ अस्पताल भेज दी है।

अलग-अलग थाना क्षेत्र के नदी में डूबने से दो किशोर की मौत

बिहारशरीफ। नालंदा जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्र में नदी में डूबने से दो किशोर कि मौत हो गयी। पहली घटना पावापुरी थाना क्षेत्र के सेवदह गांव में सुबह नदी में डुब जाने से एक किशोर की मौत हो गयी। मृतक की पहचान सेवदह गांव निवासी शंकर प्रसाद का 13 वर्षीय पुत्र रंजन कुमार के रूप में की गयी है। दूसरी घटना इस्लामपुर थानाक्षेत्र बड़ाकर गांव मे मूर्ति विसर्जन के दौरान रासबिहारी यदव के 13 वर्षीय पुत्र गुलशन की मौत हो गयी। घटना के संबंध में बताया जाता है कि उक्त युवक दोस्तों के साथ नदी में तीज पर्व स्थापित गौरा गौरी की पार्थिव मूर्ती को नदी में प्रवाहित कर नहाने लगा था। जहां नहाने के दौरान नदी की तेज धारा में बह गया डूबने से उसकी मौत हो गयी। घटनाक्रम की जानकारी ओपी थानाध्यक्ष और इस्लामपुर थाना पुलिस को दी गयी। पुलिस प्रशासन के सहयोग से गोताखोर टीम को नदी के पास भेजा गया जहां गोताखोर टीम ने किशोर का शव वरामद कर पुलिस के सहयोग से पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बिहारशरीफ भेज दिया है।

वृक्षों की सुरक्षा को लेकर जिलाधिकारी के नाम सौंपा ज्ञापन

भागलपुर। राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं आर टी आई जागरूकता संगठन भारत के द्वारा विगत 5 जून को पर्यावरण दिवस पर जगदीशपुर प्रखंड के हड़वा ग्राम में नदी किनारे जिला कार्यक्रम पदाधिकारी की उपस्थिति में सैकड़ों पौधों को लगाया गया। इसका मुख्य उद्देश्य पर्यावरण को शुद्ध बनाने में सहायता प्रदान करना था। अभी वर्तमान में वहां लगाये गए पौधों की संख्या 600 से अधिक है। परन्तु दुःख की बात यह है कि कुछ असमाजिक तत्वों द्वारा वहां मिट्टी कटाव किया जा रहा है और पौधों को हानी पहुंचाई जा रही है। इसी बाबत शनिवार को उक्त पौधों की सुरक्षा को लेकर जिलाधिकारी के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया। वहीं जिलाधिकारी के प्रभार में डी डी सी ने इस मामले को त्वरित संज्ञान में लेते हुए सदर एसडीओ को स्थल निरीक्षण कर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इसके लिए डी डी सी महोदय का संगठन के तमाम पदाधिकारियों ने आभार व्यक्त किया।

कंरट लगने से युवक की मौत

बिहारशरीफ। नालंदा जिले के परबलपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत तारा विगहा गांव में शनिवार को बिजली के करंट लग जाने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान तारा विगहा गांव निवासी 25 वर्षय कल्लू कुमार के रूप में की गई है। घटना के संबंध में मृतक के परिजनों ने बताया कि वह खेत की निगरानी के लिए शनिवार की अहले सुबह गया था जहां वह समीप मे पुल पर बैठा था कि अचानक ही बिजली प्रवाहित तार टुटकर उसके उपर गीर गया जिससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई' घटना की सूचना परबलपुर थाना पुलिस को दी गई। मृतक के परिवारवालों ने बताया कि जिस वक्त करंट लगी थी उसे वक्त वह जगह सुनसान था।जब परिजन वहां पहुंचे तो बिजली विभाग के अधिकारियों को सूचना देकर प्रवाहित बिजली कटवा कर मृतक को निकाला गया।

डंपर की चपेट में आने से किसान की मौत

मुर्शिदाबाद। खेत में कीटनाशक का छिड़काव करने जा रहे एक किसान की डंपर की चपेट में आने से मौत हो गयी। घटना शनिवार सुबह मुर्शिदाबाद जिले के शेरपुर में जिबंती स्टेट हाई-वे के पास गंगारामपुर इलाके में हुई। मृतक का नाम बजलूर रहमान है। वह खड़ग्राम थाने के शंकरपुर का निवासी है। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है।

विभाग द्वारा चल रहे निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

सार्वजनिक निर्माण विभाग के प्रमुख शासन सचिव प्रवीण गुप्ता ने अवकाश के दिन भी की महत्वपूर्ण बैठक

चमकता राजस्थान

जयपुर। सार्वजनिक निर्माण विभाग के प्रमुख शासन सचिव प्रवीण गुप्ता ने शनिवार दोपहर विभाग के मुख्य भवन में अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक की ,मिली जानकारी के अनुसार बैठक में विभाग के चल रहे कार्यों की समीक्षा तथा उन्हें जल्द से जल्द पूरा करने पर ज़ोर दिया गया।

साथ ही ई फ़ाइलिंग तथा पेंडिंग कार्यों के समय पर क्रियान्वयन को लेकर बैठक में चर्चा की गई तथा प्रमुख शासन सचिव ने अधिकारियों को महत्त्वपूर्ण निर्देश दिये।

प्रमुख शासन सचिव ने कैंपस में चल रहे कार्य जो की रमेश कुमार बंसल नामक फ़र्म लगभग 34 करोड़ की लागत से कर रही है,निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया,उनके साथ विभाग के सचिव डी आर मेघवाल व अन्य अभियंता भी उपस्थित रहे।

प्रमुख शासन सचिव ने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अन्य स्थानों पर चल रहे निर्माण कार्य का बारीकी से निरीक्षण कर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिये।

आरजी कर हॉस्पिटल में फिर से हंगामा, युवक की मौत के बाद परिवार ने लगाए गंभीर आरोप

संवाददाता

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक 28 साल के युवक की मृत्यु के बाद एक बार फिर हंगामा शुरू हो गया है। खबर के मुताबिक, शुक्रवार को एक ट्रक से टक्कर होने के बाद एक युवक को आरजी कर हॉस्पीटल में भर्ती कराया गया था, पर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई` परिवार का आरोप है कि उनके बेटे को समय पर इलाज नहीं मिला। अगर सही समय पर इलाज मिला होता तो आज उनका बेटा जिंदा होता।

मृतक बिक्रम भट्टाचार्य हुगली के कोन्नगर का रहने वाला था । मृतक की मां कबिता भट्टाचार्य की आरोप है कि इमरजेंसी वार्ड में डॉक्टर्स नहीं थे, जिस वजह से इलाज में देरी हुई ।

कबिता ने बताया कि बहुत सारा टाइम बर्बाद हो गया था` उसी समय में सर्जरी की जाना चाहिए थी, लेकिन वहां कोई डॉक्टर नहीं था यहां तक कि इमरजेंसी डॉक्टर भी नहीं थे । हालांकि, आरजी कर हॉस्पिटल के अधिकारियों ने परिवार के आरोपों से इनकार किया है` चिकित्सा अधीक्षक सह उप प्राचार्य डॉ. सप्तर्षि चटर्जी ने दावा किया कि शुक्रवार की सुबह जब बिक्रम को आरजी कर लाया गया तो उसे तुरंत ट्रॉमा सेंटर में ले जाया गया` डॉ. चटर्जी ने कहा, उसके दोनों अंगों में गंभीर चोटें थीं हमने पाया कि उसके सिर में भी गंभीर चोट थी ।

उसे सीटी स्कैन के लिए ले जाया गया` जब सीटी स्कैन की योजना बनाई जा रही थी, तब बिक्रम सांस लेने में असमर्थ था` उसकी मौत हो गई और उसे चिकित्सकीय रूप से मृत घोषित कर दिया गया ।

यह घटना उस दिन हुई जब राज्य स्वास्थ्य विभाग को कथित तौर पर 'डॉक्टरों के संयुक्त मंच' के आंदोलन के बाद कोलकाता के सभी पांच मेडिकल कॉलेजों में हेल्प डेस्क बंद करने पड़े थे ` हुगली में हुई इस घटना पर तृणमूल कांग्रेस नेता कुनाल घोष ने दावा किया कि बिक्रम भट्टाचार्य को समय पर इलाज नहीं मिला` उन्होंने उन डॉक्टरों से निवेदन किया कि आप प्रदर्शन इस तरह करें कि जरूरी मेडिकल सेवाएं बाधित न हों । इस घटना ने ऐसे समय में बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है, जब आरजी कर अस्पताल के रेजिडेंट डॉक्टर पिछले महीने एक प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ हुए क्रूर बलात्कार और हत्या को लेकर लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

संजय का सरकारी अस्पताल में था नियमित आना-जाना, पॉलीग्राफ टेस्ट में संजय का दावा

संवाददाता

कोलकाता। आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हुए बलात्कार और हत्या के मामले में पकड़े गए सिविक वॉलंटियर संजय राय ने पॉलीग्राफ टेस्ट के दौरान दावा किया है कि उनकी नियमित आवाजाही आरजी कर में नहीं, बल्कि किसी अन्य सरकारी अस्पताल में होती थी। आरोपित के वकील के अनुसार, उसने इस अपराध से कोई संबंध न होने का दावा किया है, लेकिन वकील ने यह भी माना है कि उसके बयान की जांच की जानी चाहिए।

सूत्रों के अनुसार, पॉलीग्राफ टेस्ट के दौरान आरोपित से दस सवाल पूछे गए थे। हर सवाल के जवाब में उसने कहा कि वह इस अपराध में शामिल नहीं है। आरोपित से सीबीआई ने जो सवाल पूछे थे, उनमें से एक था कि वह हत्या के बाद सेमिनार हॉल से बाहर निकलते समय कमरे को कैसे सजाकर गया था? इसके जवाब में आरोपित ने साफ कहा कि उसने कोई हत्या नहीं की, इसलिए कमरे की सजावट का सवाल ही नहीं उठता। आरोपित ने अपनी शैक्षणिक योग्यता के बारे में बताया कि उसने माध्यमिक तक पढ़ाई की है। वकील के मुताबिक, पॉलीग्राफ टेस्ट के दौरान आरोपित ने यह भी दावा किया कि अगर आरजी कर की जगह किसी अन्य सरकारी अस्पताल में जाया जाए तो उसके बारे में सही जानकारी मिल सकेगी। उसने कहा कि उसी अस्पताल में उसकी अधिक आवाजाही थी और वहां के कर्मचारी उसे अच्छी तरह से जानते हैं। उसने विश्वास जताया कि अस्पताल के कर्मचारी उसके चरित्र के बारे में सही जानकारी

देंगे। सूत्रों के अनुसार, आरोपित ने सियालदह के एक सरकारी अस्पताल का नाम लिया है।

आरोपित जिस बाइक का इस्तेमाल करता था, उस पर 'पुलिस' लिखा हुआ था। उससे पूछा गया कि उसे यह बाइक किससे मिली? उसने बताया कि कोलकाता पुलिस के एएसआई (असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर) अनूप दत्ता ने उसे यह बाइक इस्तेमाल करने के लिए दी थी। उल्लेखनीय है कि सीबीआई ने उक्त पुलिस अधिकारी से भी पूछताछ की है। सीबीआई कार्यालय के सामने पत्रकारों को देखकर उसी अधिकारी को दौड़ते हुए देखा गया था। आठ अगस्त की रात को आरोपित आरजी कर अस्पताल क्यों गया था? पॉलीग्राफ टेस्ट में उसने बताया कि उसके दोस्त के बड़े भाई वहां भर्ती थे और वह उन्हें देखने गया था।

पुलिस ने कुख्यात वांछित अंतर्राज्यीय अपराधी रंजीत चौधरी को किया गिरफ्तार

एजेंसी

पटना। बिहार स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की विशेष टीम एवं उत्तराखंड पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में ऋषिकेश से रंजीत चौधरी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस मुख्यालय पटना ने प्रेस विज्ञाप्ति जारी कर इसकी जानकारी दी। बिहार एसटीएफ की विशेष टीम एवं उत्तराखंड पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में दो लाख का इनामी कुख्यात वांछित अपराधकर्मी एवं रंगदार तथा बालू माफिया रंजीत चौधरी, बेलाउर थाना उदवंतनगर जिला भोजपुर को उत्तराखंड राज्य के ऋषिकेश से गिरफ्तार किया गया। रंजीत चौधरी पर भोजपुर, पटना एवं झारखंड राज्य के पूर्वी सिंहभूम जिला के विभिन्न थानों में हत्या, लूट, रंगदारी, आर्म्स एक्ट एवं पुलिस पर हमला के करीब 27 गंभीर कांड दर्ज है। इसके विरूद्ध बिहार पुलिस मुख्यालय द्वारा दो लाख रुपए का इनाम घोषित था। पटना एवं

भोजपुर जिला के बालू ठेकेदारों से रंगदारी वसूलने एवं भय का माहौल पैदा करने के लिए उक्त अपराधकर्मी के द्वारा अपने अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर दिनांक 06.11.2023 को पटना जिला के रानीतालाब थाना क्षेत्र के निसरपुरा गांव के रहने वाले बालू ठेकेदार देवराज की हत्या करने में शामिल रहा है। इस संबंध में रानीतालाब (पटना) थाना कांड संख्या 382/23 दिनांक 06.11.2023 धारा 302/34/120बी एवं 27 आर्म्स एक्ट अंकित है। अपराधकर्मी रंजीत चौधरी द्वारा अपने अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर दिनांक 21.10.2023 को भोजपुर जिला में बालू घाट पर वर्चस्व को लेकर बक्सर जिला के औद्योगिक थानान्तर्गत अर्जुनपुर गांव के रहने वाले राकेश कुमार नामक युवक की गोली मारकर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया गया था। उल्लेखनीय है कि दिनांक 29.02.2024 को उक्त अपराधकर्मी के द्वारा अपने अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर आरा कोर्ट के गेट पर कांड के गवाह गोपाल चौधरी सा. बेलाउर थाना उदवंतनगर की गोली मार कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया गया था। इस संबंध में नवादा थाना कांड संख्या 162/24 दिनांक 29.02.24 धारा 341/ 342/ 307/ 120बी/34 एवं 27 आर्म्स एक्ट अंकित है। उक्त अपराधकर्मी से पूछताछ जारी है।

दिव्यांग छात्र, छात्राओं के बीच बैट्री चालित रिक्शा का वितरण

एजेंसी

सहरसा। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री दिव्यांगजन सशक्तिकरण छात्र योजना के अंतर्गत संबल योजना के तहत चलंत दिव्यांग छात्र झ छात्राओं व रोजगारपरक दिव्यांगजनों की विशेष श्रेणी के लिए आवागमन की मूलभूत आवश्यकता के दृष्टिगत जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग द्वारा बैट्री चालित ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराने का प्रावधान है । चलंत दिव्यांगजन छात्र-छात्राएं जिनका आवासन बिहार राज्य स्थित महाविद्यालय/ विश्वविद्यालय परिसर से तीन किलोमीटर या उससे अधिक दूरी पर है अथवा चलंत दिव्यांगजन जो स्वावलंबन के उद्देश्य से बिहार राज्य में अपना रोजगार करते हैं एवं उनका रोजगार स्थल तीन किलोमीटर या उससे अधिक दूरी पर हो। बिहार राज्य के स्थायी निवासी एवं बिहार में आवासन अनिवार्य है। आय अधिकतम प्रतिवर्ष दो लाख। आयु 18 वर्ष या इससे अधिक। दिव्यांगता

न्यूनतम 60 प्रतिशत चलंत दिव्यांगता होना चाहिए। आय प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण-पत्र, विद्यालय/ विश्वविद्यालय का आईडी कार्ड अथवा रोजगार/व्यवसाय संबंधित प्रमाण पत्र या घोषणा पत्र, दिव्यांगता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं फोटो। वेबसाइट पर जाकर अपना आवेदन कर सकते हैं ' सहरसा जिला में अबतक कुल 251 लाभुको को मुख्यमंत्री दिव्यांजजन सशक्तिकरण छात्र योजना के अंतर्गत संबल योजना के तहत बैट्री चलित ट्राइसाइकिल से आच्छादित किया जा चुका है।

एडमास यूनिवर्सिटी में एडुक्लेवः अनुभव का नवाचार से मिलन

कोलकाता। एडमास यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ एजुकेशन ने हाल ही में अपने प्रमुख कार्यक्रम, 'एडुक्लेव 2024 - व्हेयर एक्सपीरियंस मीट्स इनोवेशन' की मेजबानी की। इस कार्यक्रम में कोलकाता के 25 से अधिक प्रमुख स्कूलों के प्रमुख प्रिंसिपल, निदेशक और शिक्षाविद् एक साथ आए। बी.एड. छात्रों को प्रेरित करने का लक्ष्य और शिक्षक शिक्षा में नवाचार को प्रोत्साहित करते हुए, एडुक्लेव 2024 में शैक्षिक नेतृत्व, उभरते रुझान और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के अनुरूप शिक्षण रणनीतियों पर चर्चा हुई। शिक्षा विद्यालय का योगदान और प्रतिभा तथा उत्कृष्टता पर उसका ध्यान चर्चा के केंद्र में थे। एडुक्लेव 2024 में स्कूल की 9वीं संपादित पुस्तक, 'मेंटल हेल्थ एंड स्टूडेंट वेल-बीइंग' का लॉन्च किया गया, जिसे प्रोफेसर (डॉ.) शाउली मुखर्जी और प्रोफेसर (डॉ.) कोप्पुला विक्टर बाबू ने संपादित किया है।

पूजा-पाठ | बागुईआटी के एग्जीक्यूटिव पैलेस कॉम्प्लेक्स में गणेश चतुर्थी समारोह

13 फीट की भव्य आदियोगी की प्रतिकृति हुई प्रदर्शित

संवाददाता

कोलकाता। वीआईपी रोड में स्थित बागुईआटी के एग्जीक्यूटिव पैलेस कॉम्प्लेक्स में इस साल गणेश चतुर्थी समारोह के मौके पर आदियोगी की 13 फीट की एक शानदार प्रतिकृति प्रदर्शित की गई। यह भव्य प्रतिमा भगवान गणेश के प्रति श्रद्धा और आदियोगी की दार्शनिक शिक्षाओं दोनों पर जोर देती है।

यह पहल हमारी संस्कृति और परंपरा के साथ आध्यात्मिकता के एक विचारशील एकीकरण को दशार्ती है, जिसमें आदियोगी प्रतिकृति दोनों के बीच एक प्रतीकात्मक सेतु के रूप में कार्य करती है। भगवान शिव और भगवान गणेश के बीच पिता-पुत्र का बंधन एक गहन आध्यात्मिक

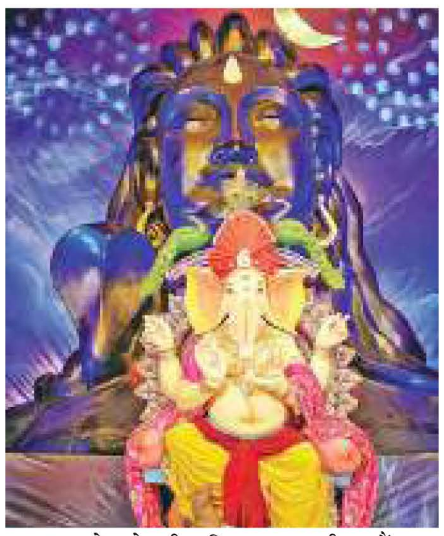

और भावनात्मक संबंध का उदाहरण है, जो हिंदू दर्शन में प्रतीकात्मकता और गहरी शिक्षाओं से समृद्ध है। भगवान शिव, जिन्हें अक्सर आदियोगी के रूप में संदर्भित किया जाता है, वह परम चेतना और ज्ञान का प्रतीक हैं, जबकि उनके पुत्र गणेश, किसी काम की नई शुरूआत में बाधाओं को दूर करने के साथ दिव्य बुद्धि का प्रतीक हैं। यह संबंध ब्रह्मांडीय ज्ञान को व्यावहारिक मार्गदर्शन के साथ एकीकृत करने पर जोर देता है, जो हमारे उत्सव को उनके आध्यात्मिक महत्व की गहरी समझ के साथ समृद्ध करता है।

इस अवसर पर, एग्जीक्यूटिव पैलेस कॉम्प्लेक्स के सचिव अंकित अग्रवाल ने कहा, ह्लइस वर्ष हमारा उत्सव आदियोगी की गहन शिक्षाओं को समर्पित किया गया है, जो भगवान शिव और गणेश के बीच के दिव्य बंधन का सम्मान करता है। हम छह दिनों तक गणेश चतुर्थी का आयोजन कर रहे हैं, जिसका समापन, प्रतिमा विसर्जन से पहले एक भव्य हवन के बाद होगा। जिसमें इस कॉम्प्लेक्स में रहनेवाले सभी निवासी भाग लेंगे। इस योजन के दौरान कॉम्प्लेक्स के बाहर रहनेवाले 3,000 से अधिक लोगों में भगवान गणेश का महाप्रसाद भोग वितरित किया जाएगा।₹ कॉम्प्लेक्स में रहनेवालों के साथ अन्य लोगों को इस अनूठे और भव्य उत्सव का अनुभव करने के लिए आमंत्रित किया जाता है, यह उत्सव 7 सितंबर से 12 सितंबर तक चलेगा।

इस आयोजन को सफल बनाने में एम पी अग्रवाल (कोषाध्यक्ष), संजीव दुदानी (अध्यक्ष), अंकित अग्रवाल (सचिव), राम अवतार अग्रवाल, मनोज बिनानी, कृष्ण अवतार अग्रवाल, आशीष टेकरीवाल, अरुण कुमार अग्रवाल, अभिषेक जैन, अभिनव बसु, अमित अग्रवाल, ललित डागा, अमन अग्रवाल, शैंकी जैन, मिठू चंदा, गौतम बसाक के साथ अन्य कई अन्य लोगों ने सक्रिय भूमिका अदा की।

कोलकाता के बागुईआटी के वीआईपी रोड पर स्थित एग्जीक्यूटिव पैलेस अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन अपने अभिनव सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए प्रसिद्ध है, जो हर उत्सव को एक जीवंत सामुदायिक माहौल के साथ परंपरा और आधुनिकता दोनों का जश्न मनाता है।

नालंदा में डायरिया प्रभावित क्षेत्रों का एसडीएम ने लिया जायजा

एजेंसी

बिहारशरीफ। बीते एक सप्ताह से जिले के रहुईप्रखंडअंतर्गत उतराता गांव में दर्जनों लोग डायरिया से ग्रसित हो गए जिसमें दो बच्ची की मौत होने पर नालंदा के एसडी एम ने शनिवार को डायरिया ग्रसित क्षेत्र का भ्रमण कर जायजा लेते हुए मेडिकल आफीसरों को कड़ी चेतावनी दी है। क्षेत्र भ्रमण के क्रम में उन्हें बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा घर-घर सर्वे किया गया है।वर्तमान में दो डायरिया प्रभावित को बेहतर चिकित्सा के लिए जिला मुख्यालय रेफर किया गया है।जिसका इलाज गंभीरता से किया जा रहा है।स्थानीय लोगों ने बातचीत के क्रम में बताया कि डायरिया का मुख्य कारण दूषित जल है ।इस मौके पर एसडीएम ने संबंधित पदाधिकारी को निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव व्यापक पैमाने पर किया जाए ,साथ ही स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे ।निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में साफ सफाई की व्यापक रूप से व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ।इस अवसर पर स्थानीय वार्ड पार्षद सहित स्वास्थ विभाग ,नगर निगम, पीएचईडी आदि विभाग के पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

यूएस ओपनः टेलर फ्रिट्ज फाइनल में

न्यूयॉर्क। टेलर फ्रिट्ज ने शुक्रवार को यूएस ओपन 2024 के सेमीफाइनल में हमवतन फ्रांसेस टियाफो को हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई जहां रविवार को उनका सामना इटली के शीर्ष वरीयता प्राप्त जननिक सिनर से होगा। इस जीत के साथ ही फ्रिट्ज 15 वर्षों में ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाले पहले अमेरिकी खिलाड़ी भी बन गए। विश्व के 12वें नंबर के खिलाड़ी फ्रिट्ज ने 4-6, 7-5, 4-6, 6-4, 6-1 से जीत हासिल की और फाइनल में जगह बनाई। 26 वर्षीय फ्रिट्ज ने जीत हासिल करने के बाद कहा, शुरुआत में उन्होंने मुझे बहुत परेशान किया और मैं थोड़ा घबरा गया था। मैंने खुद से कहा कि मैं इसमें बना रहूं, सर्विस को बनाए रखूं और स्कोरबोर्ड पर दबाव बनाऊं। मैंने इसमें बने रहने के लिए हर संभव कोशिश की। अगर मैंने ऐसा नहीं किया होता तो मुझे हमेशा इसका पछतावा होता। इससे पहले सिनर ने आर्थर ऐश स्टेडियम में उमस भरी परिस्थितियों पर काबू पाते हुए शुक्रवार को ब्रिटेन के जैक ड्रेपर को 7-5, 7-6(3), 6-2 से हराकर यूएस ओपन 2024 के फाइनल में प्रवेश किया। दूसरे सेट में गिरने के कारण सिनर की कलाई में चोट लग गई थी, लेकिन उन्होंने धैर्य बनाए रखा और फाइनल में जगह बनाई। वहीं, ड्रेपर के लिए कुछ भी ठीक नहीं रहा, उन्होंने दूसरे सेट में तीन बार उल्टी की, क्योंकि उन्हें गर्मी और उमस से जूझना पड़ा, जिससे उनकी शर्ट भी पसीने से भीग गई। 10 डबल फॉल्ट भी 22 वर्षीय खिलाड़ी को पहली बार ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने में मदद नहीं कर पाए।

टखने में गंभीर चोट के कारण स्पेन की टीम से बाहर हुए ओयारजाबल

मैड्रिड। स्पेन की राष्ट्रीय टीम के कोच लुइस डे ला फुएंते रविवार को स्विट्जरलैंड के खिलाफ होने वाले यूईएफए नेशंस लीग मुकाबले में रियल सोसिएदाद के फारवर्ड मिकेल ओयारजाबल के बिना खेलेंगे, क्योंकि स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन (आरएफईएफ) ने पुष्टि की है कि गुरुवार को सर्बिया के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ के दौरान उनका बायां टखना चोटिल हो गया है। ओयारजाबल खेल में अंतिम समय में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में आए और खेल के अंतिम चरण में उन्हें चोट लग गई। शुक्रवार की सुबह स्पेन में वापस परीक्षण के बाद, चोट की गंभीरता की पुष्टि हुई और ओयारजाबल बैसाखी के सहारे आरएफईएफ मुख्यालय छोड़कर सैन सेबेस्टियन लौट गए। ओयारजाबल के अलावा उनके क्लब के और भी कई खिलाड़ी चोटिल हैं। क्लब ने गेटाफे में हाल ही में 0-0 से ड्रॉ में डिफेंडर हैमर जुबेल्डिया और हामारी ट्रैओर को खो दिया, ट्रैओर को घुटने की चोट लगी है जो उन्हें पूरे सीजन के लिए बाहर रखेगी। मिडफील्डर ब्राइस मेंडेज उसी खेल में घायल हो गए, जबकि विंगर एंडर बैरेनेटक्सिया पूरे सीजन में अपनी फिटनेस से जूझते रहे, और गर्मियों में आर्सेनल और एटलेटिको मैड्रिड को क्रमशः मिकेल मेरिनो और रॉबिन ले नॉर्मेंड की बिक्री से भी क्लब कमजोर हो गया।

कोहनी की चोट के कारण मार्क वुड साल के बाकी समय के लिए खेल से बाहर

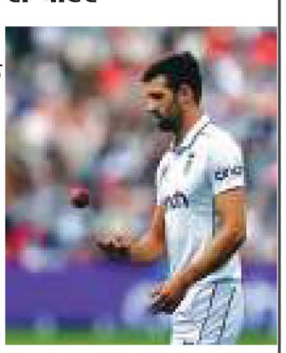

लंदन। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड अपनी दाहिनी कोहनी में हड्डी के तनाव की चोट के कारण शेष वर्ष के लिए खेल से बाहर हो गए हैं, जिसके कारण वह पाकिस्तान और न्यूजीलैंड दौरे पर नहीं जाएंगे। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की विज्ञप्ति के अनुसार, 34 वर्षीय खिलाड़ी ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान अपनी कोहनी में बढ़ती कठोरता और बेचैनी महसूस की थी। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट में भी खेला था जिसमें उन्हें दाहिनी जांघ में चोट लगी थी। ईसीबी ने कहा कि वुड जांच की चोट से अच्छी तरह से उबर रहे हैं, जिसके कारण उन्हें शुरू में गर्मियों के बाकी दिनों से बाहर होना पड़ा था। एक इंस्टाग्राम पोस्ट में, वुड ने खुलासा किया कि जब चोट की गंभीरता का पता चला तो वह वह एक नियमित कोहनी स्कैन के लिए गए थे। वुड ने अपने पोस्ट में कहा, पहले से ही परेशानी वाली कोहनी की नियमित जांच के दौरान, मुझे यह जानकर झटका लगा कि मेरी दाहिनी कोहनी में कुछ हड्डी का तनाव है। एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड में मामूली कमर की चोट के बाद, मुझे और मेडिकल टीम को लगा कि मेरी कोहनी की जांच करवाने का यह सही समय है क्योंकि यह थोड़ी जलन वाली थी। मैं इसे हर तेज गेंदबाज को होने वाली सामान्य परेशानियों के कारण मानता हूं और मैं इससे खेल रहा था। मैं विशेष रूप से हैरान हूं क्योंकि मैं टेस्ट क्रिकेट खेल रहा हूं और अपनी गति को बनाए रखा है। उन्होंने कहा, मैं अपनी फिटनेस में अविश्वसनीय रूप से कड़ी मेहनत करता हूं, कोच और फिजियो के साथ अतिरिक्त काम करता हूं जिससे यह और भी निराशाजनक हो जाता है।

एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफीः खिताब बचाने उतरेगी भारतीय हॉकी टीम

पिछले साल भारत ने घरेलू मैदान पर जीता था खिताब

एजेंसी

हुलुनबुइर। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक विजेता भारतीय हॉकी टीम हीरो पुरुष एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी 2024 में अपने अभियान की शुरुआत करने के लिए तैयार है। मौजूदा चैंपियन भारतीय टीम खिताब बचाने के लिए प्रबल दावेदार के रूप में मैदान पर उतरेगी। भारत के साथ मेजबान चीन, जापान, पाकिस्तान, कोरिया और मलेशिया जैसी टीमें हैं। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट रविवार 8 सितंबर से चीन के हुलुनबुइर शहर में होगा। पिछले साल भारत ने घरेलू मैदान पर यह खिताब जीता था, जिससे वह टूर्नामेंट के इतिहास में चार खिताब जीतने वाली एकमात्र टीम बनी। टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह इस साल भी चैंपियनशिप में भारत का दबदबा जारी रखने के लिए उत्सुक हैं।

हॉकी इंडिया की ओर से शनिवार को जारी बयान में हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि पिछले साल एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी ने हमें एशियाई खेलों में जाने के लिए सही गति दी। इसके बाद ओलंपिक खेलों में फिर से पोडियम पर खड़े होने की जीत मिली। इस बार भी हम इस टूर्नामेंट को जीतकर नए ओलंपिक चक्र की शुरुआत करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इस टूर्नामेंट में ओलंपिक टीम के दस सदस्य खेल रहे हैं। हमारी टीम में कुछ युवा खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने कहा कि खेल के दृष्टिकोण से, हमारा आक्रमण और पेनल्टी कॉर्नर हमारी ताकत है लेकिन हम एक संरचित रक्षा की कोशिश करेंगे, खासकर जापान, मलेशिया और पाकिस्तान जैसी टीमों के खिलाफ। विश्व रैंकिंग अंकों के लिहाज से यह हमारे लिए एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है और हम चुनौती के लिए तैयार हैं।

भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत रविवार को मेजबान चीन के खिलाफ पहले मैच से करेगी। उसके बाद 9 सितंबर को जापान के खिलाफ दूसरा मैच खेलेगी। भारतीय टीम 11 सितंबर को पिछले साल की उपविजेता मलेशिया से भिड़ेगी और 12 सितंबर को साउथ कोरिया से खेलेगी। एक दिन के ब्रेक के बाद, भारत 14 सितंबर को पाकिस्तान से भिड़ेगा। सेमीफाइनल और फाइनल मैच क्रमशः 16 और 17 सितंबर को होंगे।

होकाटो होटोजे सेमा ने पुरुषों की शॉटपुट एफ57 में कांस्य

एजेंसी

पेरिस। होकाटो होटोजे सेमा ने शुक्रवार देर रात (स्थानीय समयानुसार) को स्टेड डी फ्रांस में पेरिस 2024 पैरालंपिक की पुरुषों की शॉटपुट एफ57 स्पर्धा में कांस्य पदक जीता।

40 वर्षीय एथलीट ने अपने चौथे प्रयास में 14.65 का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए भारत के लिए चल रहे पैरालंपिक खेलों में 27वां पदक पक्का किया।

नागालैंड के एथलीट ने 14.40 के अपने तीसरे थ्रो के साथ स्टैंडिंग में तीसरा स्थान हासिल किया और चौथे प्रयास में और सुधार किया। दूसरे भारतीय एथलीट सोमन राणा 14.07 के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ पांचवें स्थान पर रहे। अपने प्रयासों के सेट को पूरा करते समय वे स्टैंडिंग में तीसरे स्थान पर थे, लेकिन फिनलैंड के तीजो कूपिका और होटोजे के बेहतर प्रयासों के बाद वे रैंकिंग में नीचे आ गए। होटोजे के थ्रो के सेट को पूरा करने के बाद उनके सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वी अर्जेंटीना के पाब्लो डेमियन जिमेनेज और फ्रांस के बिटोलिया कावाकावा थे, लेकिन दोनों एथलीट केवल 12.99 का सर्वश्रेष्ठ प्रयास ही कर पाए।

पंत ने सेमीफाइनल से पहले पुरानी दिल्ली 6 को भेजा संदेश

लंबे समय तक साथ रहने का किया वादा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत यहां अरुण जेटली स्टेडियम में चल रहे दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में पुरानी दिल्ली 6 की टीम को सेमीफाइनल में पहुंचते देखकर उत्साहित हैं। पुरानी दिल्ली 6 डीपीएल के दूसरे सेमीफाइनल में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स से भिड़ेगी। डीपीएल में पुरानी दिल्ली 6 के लिए यह एक उल्लेखनीय यात्रा रही है। करीबी मुकाबलों में कठिन हार से लेकर लगातार जीत के साथ सेमीफाइनल तक पहुंचने तक, टीम ने लचीलापन और दृढ़ संकल्प दिखाया है। शुरुआती मैच में पुरानी दिल्ली 6 की कप्तानी करने वाले पंत ने खिलाड़ियों की जमकर तारीफ की और पुरानी दिल्ली 6 टीम के लिए एक दिल को छू लेने वाला संदेश भेजा।

पंत ने कहा, सबसे पहले, मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि पुरानी दिल्ली 6 ने जिस तरह से इस पूरे टूर्नामेंट में प्रदर्शन किया, उसके लिए मैं आप सभी पर गर्व करता हूं। यहां से लेकर अब तक की यात्रा का अनुसरण करना अविश्वसनीय रहा है और मैं सक्रिय रूप से इसका अनुसरण कर रहा हूं। आपने शानदार भावना, दृढ़ संकल्प और टीम वर्क दिखाया है। पंत वर्तमान में दलीप ट्रॉफी खेल रहे हैं और उन्हें पूरा भरोसा है कि पुरानी दिल्ली 6 सेमीफाइनल में कमाल करेगी।

पंत ने पुरानी दिल्ली 6 टीम को दिए संदेश में कहा, काश मैं सेमीफाइनल में होता, लेकिन दलीप ट्रॉफी के साथ मेरी प्रतिबद्धताओं ने मुझे दूर रखा है। फिर भी, मुझे आप सभी पर पूरा भरोसा है और मुझे पूरा भरोसा है कि आप वहां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी रखेंगे। दिल से खेलो, खुद पर भरोसा रखो और एक परिवार की तरह एक साथ रहो और लंबे समय तक एक परिवार की तरह रहो। चलो इसे यादगार बनाओ। मैं हर कदम पर तुम्हारा हौसला बढ़ाऊंगा। चलो पुरानी दिल्ली, इसे करके दिखाओ।

ऋषभ के मार्गदर्शन में टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया

पुरानी दिल्ली 6 के मालिक आकाश नागिया ने कहा, अगर डीडीसीए भविष्य में मार्की खिलाड़ियों को बनाए रखने की अनुमति देता है, हम ऋषभ को लंबे समय तक अपने साथ रखना चाहेंगे क्योंकि उनके मार्गदर्शन में टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया है। इस सप्ताह की शुरुआत में, अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा ने अपने साथियों को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें ध्यान केंद्रित रखने और उसी जुनून और एकता के साथ खेलना जारी रखने की सलाह दी, जिसने उन्हें यहां तक पहुंचाया। ईशांत ने एक बयान में कहा, बस काम करते रहो और भूल जाओ कि तुम्हारे सामने कौन है। अपने दिल से खेलो और हर छोटी-छोटी चीजों पर ध्यान दो, जो अंततः तुम्हें विजेता बनाएगी।

स्वदेश लौटे भारतीय पैरालिंपियन

एजेंसी

नई दिल्ली। पेरिस पैरालिंपिक में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन करने के बाद भारतीय पैरालिंपिक एथलीटों का स्वदेश लौटने पर दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भव्य स्वागत किया गया। शनिवार की सुबह, पेरिस पैरालिंपिक में हिस्सा लेने के बाद भारतीय दल के आधे सदस्य स्वदेश लौट आए। अवनी लेखरा, मोना अग्रवाल, प्रणव सूरमा, राकेश कुमार और मनीष नरवाल उन लोगों में शामिल हैं जो दिल्ली पहुंचे। दिल्ली के बाहर बड़ी संख्या में प्रशंसक एकत्रित हुए और पैरा-एथलीटों पर फूल बरसाकर उनका स्वागत किया। भारतीय दल के अन्य एथलीट पैरा मल्टी-स्पोर्ट इवेंट के समापन के बाद वापस लौटेंगे। स्टार इंडिया पैराशूटर अवनी लेखरा ने कहा कि पेरिस पैरालिंपिक में यह एक शानदार यात्रा थी। भारत की स्टार पैराशूटर अवनी लेखरा ने कहा कि पेरिस पैरालिंपिक में यह एक शानदार यात्रा रही। भारतीय पैरा शूटर मोना अग्रवाल ने कहा कि उनका पैरालंपिक सफर बहुत अच्छा रहा। उन्होंने कहा, यह मेरा पहला पैरालंपिक था और मैं बहुत अच्छा महसूस कर रही हूं।

राकेश ने जीत का सारा श्रेय अपने कोचों को दिया

मौजूदा पैरालंपिक चैंपियन अवनी ने अपना सिलसिला जारी रखते हुए शुक्रवार को पेरिस पैरालंपिक में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल फाइनल में स्वर्ण पदक जीता। वह खेलों के इतिहास में दो स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला भी बनीं। इसी स्पर्धा में निशानेबाज मोना अग्रवाल ने कांस्य पदक जीता। इस बीच, पैरा-तीरंदाज राकेश कुमार ने जीत का सारा श्रेय अपने कोचों को दिया। राकेश कुमार और शीतल देवी की भारतीय तीरंदाजी जोड़ी ने चल रहे पेरिस पैरालिंपिक में इटली के एलोनोरा सारती और माटेओ बोनासिना पर जीत के साथ मिश्रित टीम कंपाउंड स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। उन्होंने सोमवार को चल रहे मार्की इवेंट के कांस्य पदक मैच में इतालवी जोड़ी को 156-155 के स्कोर से हराया। चल रहे पैरालिंपिक में भारत ने 27 पदक जीते हैं, जिसमें छह स्वर्ण पदक, नौ रजत पदक और 12 कांस्य पदक शामिल हैं। यह किसी पैरालिंपिक खेल आयोजन में भारत द्वारा जीता गया अब तक का सर्वाधिक स्वर्ण है, जिसने टोक्यो 2020 में जीते गए कुल पांच स्वर्ण को पीछे छोड़ दिया है। विशेष रूप से भारतीय पैरा-एथलीटों ने तीन स्वर्ण, छह रजत और छह कांस्य पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया है, जिससे उन्हें कुल 15 पदक मिले हैं।

डेक्कन चार्जर्स की टीम में साथ खेलने के दौरान देखा कि रोहित कुछ खास हैं: स्टाइरिस

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के पूर्व ऑलराउंडर स्कॉट स्टाइरिस ने कहा कि उन्होंने अब बंद हो चुकी डेक्कन चार्जर्स के लिए खेलते हुए देखा कि रोहित शर्मा में कुछ खास है। स्टाइरिस और रोहित 2008 और 2009 के आईपीएल में डेक्कन चार्जर्स कैंप में साथ थे, जहां टीम ने दक्षिण अफ्रीका में खिताब जीता था। रोहित मुंबई इंडियंस में शामिल हो गए और उन्होंने टीम को पांच आईपीएल खिताब जिताए, इसके बाद जून में भारत को 2024 पुरुष टी20 विश्व कप जिताया। स्टाइरिस ने क्रिकेट डॉट कॉम से कहा, आईपीएल 2008 में मुझे टीम का साथी बनने और रोहित शर्मा को देखने और सुनने का पहला मौका मिला। वह डेक्कन चार्जर्स में हमारे साथ थे। उस समय उनकी उम्र 19 या 20 साल थी और मैं तभी समझ गया था कि यह बच्चा कुछ खास है।

एफ्रो टी10 सीजन 2 से बतौर कोच जुड़े चामिंडा वास, मोइन खान

एजेंसी

हरारे। जिम्बाब्वे में शुरू होने वाले टी10 के आगामी सीजन से पहले, जिम्बाब्वे एफ्रो टी10 की फ्रेंचाइजी ने आगामी टूर्नामेंट के लिए अपने मुख्य कोचों की घोषणा कर दी है। कोचों की सूची में क्रिकेट की दुनिया के कुछ दिग्गज शामिल हैं जैसे पाकिस्तान के मोइन खान, श्रीलंका के चामिंडा वास और इंग्लैंड के ओवेस शाह।

डरबन वॉल्व्स ने पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मोइन खान को साइन किया है, जिन्होंने न केवल पाकिस्तान की राष्ट्रीय टीम को कोचिंग दी है, बल्कि टीम के चयनकर्ता भी रहे हैं। पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज फ्रैंचाइजी क्रिकेट में कोचिंग में भी काफी शामिल रहे हैं। उन्होंने 2016 से क्वेटा ग्लैडिएटर्स का नेतृत्व कर रहे हैं। मोइन खान के नेतृत्व में, ग्लैडिएटर्स ने 2016 से तीन फाइनल में जगह बनाई है और एक बार पाकिस्तान सुपर लीग भी जीती है। निज लागोस की टीम ने अपने मुख्य कोच के रूप में भी एक बड़ा बदलाव किया है, उन्होंने श्रीलंका के पूर्व ऑलराउंडर चामिंडा वास को टीम में शामिल किया है।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज वास गेंद के साथ अपनी क्षमताओं के लिए जाने जाते थे, उन्होंने कई राष्ट्रीय टीमों के साथ विभिन्न कोचिंग क्षमताओं में काम किया है।

व्यापार

एयर इंडिया ने अंतरराष्ट्रीय उड़ान के लिए चेक-इन की समय-सीमा बढ़ाई

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया एयरलाइंस ने शनिवार को अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ान के लिए चेक-इन की समय-सीमा को बढ़ाने की घोषणा की है। एयरलाइंस ने कहा है कि अब चेक-इन काउंटर अपने निर्धारित प्रस्थान समय से 75 मिनट पहले बंद हो जाएगा। ये नियम राजधानी नई दिल्ली से सभी अंतरराष्ट्रीय प्रस्थानों पर लागू होगा। ये नियम 10 सितंबर, 2024 से प्रभावी होगा। कंपनी ने एक्स पोस्ट पर जारी एक बयान में कहा कि नई दिल्ली से अंतरराष्ट्रीय प्रस्थान के लिए चेक-इन काउंटर अब अपने निर्धारित प्रस्थान समय से 75 मिनट पहले बंद हो जाएगा। एयर इंडिया ने बताया कि पिछले 60 मिनट के बंद होने से यह समायोजन सभी के लिए एक सहज और आरामदायक यात्रा अनुभव सुनिश्चित करता है, जिससे व्यस्त अवधि के दौरान भी चेक-इन प्रक्रियाओं और सुरक्षा मंजूरी के लिए पर्याप्त समय मिलता है। हम इस नए बंद समय से पहले हवाई अड्डे पर पहुंचने में आपके सहयोग की सराहना करते हैं। इससे पहले अगस्त में एयर इंडिया ने कहा था कि 10 सितंबर, 2024 से नई दिल्ली हवाई अड्डे से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए चेक-इन काउंटर उड़ान प्रस्थान से 75 मिनट पहले बंद हो जाएंगे। एयरलाइन ने उस समय यात्रियों से समय पर चेक-इन काउंटर पर रिपोर्ट करने का अनुरोध भी किया था। गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय प्रस्थान वह क्षेत्र होता है, जिसका उपयोग यात्री विदेश जाने के लिए करते हैं। इंटरनेशनल टर्मिनल में स्थित पासपोर्ट चेकपॉइंट से गुजरने के बाद यात्री अंतरराष्ट्रीय प्रस्थान की ओर बढ़ सकते हैं।

गणेश चतुर्थी के दिन महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। गणेश चतुर्थी के दिन आज घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का रुख बना हुआ है। तेजी के कारण सोना 500 रुपये प्रति 10 ग्राम से भी अधिक महंगा होकर 73 हजार रुपये के स्तर को पार कर गया है। इसी तरह चांदी ने भी 2 हजार रुपये से अधिक की छलांग लगाई है। कीमत में हुई बढ़ोतरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 73,470 रुपये से लेकर 73,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 67,360 रुपये से लेकर 67,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी भी आज महंगी हुई है। कीमत में आई इस तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत 87,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 73,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 67,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 73,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 73,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 67,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 73,320 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 67,210 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

जीएसटी काउंसिल की बैठक सोमवार को, स्वास्थ्य बीमा पर फैसला संभव

एजेंसी

नई दिल्ली। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की बैठक 9 सितंबर, सोमवार को राजधानी नई दिल्ली में 54वीं होने वाली है। इस बैठक में स्वास्थ्य और जीवन बीमा कराने वाले लोगों को महंगे प्रीमियम (बीमा किस्त) से निजात मिलने की संभावना है। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को बताया कि 9 सितंबर, 2024 को राजधानी नई दिल्ली में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित होने वाली जीएसटी परिषद की 54वीं बैठक में दोनों तरह के बीमा (स्वास्थ्य और जीवन बीमा) पर लगने वाली जीएसटी की दर को 18 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी किया जा सकता है। हालांकि, स्वास्थ्य और जीवन बीमा पर लगने वाले

जीएसटी की दर से सरकारी खजाने पर बोझ पड़ सकता है। स्वास्थ्य और जीवन बीमा के प्रीमियम पर लगने वाली 18 फीसदी जीएसटी दर को हटाने का मुद्दा अब राजनीतिक मोड़ ले चुका है।

इसकी शुरुआत केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के वित्त मंत्री सीतारमण को एक पत्र लिखने से हुई। इसके बाद पश्चिम बंगाल और अब कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर मध्यम और निम्न आय वर्ग के पॉलिसीधारकों के लिए स्वास्थ्य बीमा पर 18 फीसदी जीएसटी दर में कटौती की मांग की।

वित्तीय सेवाओं के विभाग के स्वास्थ्य और जीवन बीमा पर मौजूदा जीएसटी कर की दर घटाने के अनुरोध के बाद केंद्र और राज्यों के राजस्व अधिकारियों वाली फिटमेंट समिति ने इसका विस्तृत विश्लेषण किया है। फिटमेंट समिति इस बारे में अपनी विस्तृत रिपोर्ट 9 सितंबर को होने वाली जीएसटी परिषद की बैठक में सौंप सकती है। इससे सरकारी खजाने पर 6.5 अरब रुपये से 35 अरब रुपये तक का बोझ पड़ने की संभावना है।

संक्षिप्त खबरें

ओवरनाइट एक्सप्रेस के दो कोच पटरी से उतरे

जबलपुर। मध्य प्रदेश के इंदौर से जबलपुर आ रही ओवरनाइट एक्सप्रेस के दो डिब्बे शनिवार सुबह पटरी से उतर गए। हादसा उस समय हुआ, जब ट्रेन जबलपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 6 पहुंच रही थी। गनीमत रही कि हादसे के वक्त की ट्रेन की रफ्तार कम थी, इसलिए बड़ा हादसा होने से टल गया। घटना में किसी तरह के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। रेलवे ने हादसे की जांच भी शुरू कर दी है। यह ट्रेन सुबह करीब 5:35 बजे जबलपुर पहुंचती है। ट्रेन अपने तय समय पर जैसे ही जबलपुर रेलवे स्टेशन ट्रेन पहुंची, तभी उसके दो एसी कोच पटरी से उतर गए। सूचना मिलते ही रेलवे का तकनीकी अमला मौके पर पहुंचा और राहत एवं बचाव कार्य में जुट गया। पश्चिम मध्य रेलवे की महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय भी मौके पर पहुंचीं और हादसे की जानकारी ली। खबर लिखे जाने तक दुर्घटना नियंत्रण ट्रेन के साथ बेपठरी कोच को फिर से पटरी पर लाने का काम जारी है। पश्चिम मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हर्षित श्रीवास्तव ने बताया कि अप ट्रैक बाधित है। मेन लाइन से जुड़े कोच को अलग कर दिया गया है। ट्रेन में 10 से 12 कोच थे। शुरूआती जांच में पता चला है कि प्लेटफार्म नंबर 6 आते समय यह हादसा हुआ है। जनरल मैनेजर ने हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं।

अबू धाबी के क्राउन प्रिंस 9-10 सितंबर को भारत की यात्रा पर आएंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान 9-10 सितंबर को भारत की आधिकारिक यात्रा पर आएंगे। अबू धाबी के क्राउन प्रिंस के रूप में उनकी यह पहली भारत यात्रा होगी। उनके साथ यूएई सरकार के कई मंत्री और एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी होगा। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान जारी कर बताया कि 9 सितंबर को अबू धाबी के क्राउन प्रिंस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलेंगे और द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों पर चर्चा करेंगे। उनका राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मिलने का कार्यक्रम है। वे महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए राजघाट भी जाएंगे। 10 सितंबर को क्राउन प्रिंस एक बिजनेस फोरम में भाग लेने के लिए मुम्बई जाएंगे, जिसमें दोनों देशों के व्यापारिक नेता भाग लेंगे।

सिंगापुर से चीन जा रहा विमान हवा में लहराया, सात घायल

सिंगापुर सिटी। सिंगापुर से चीन के ग्वांगझाऊ जा रहा स्कूट कंपनी का विमान (बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर) तकनीकी खराबी के कारण बीच हवा में 20,000 फीट की ऊंचाई पर लहराने लगा। इस दौरान सात सवार घायल हो गए। सिंगापुर के समाचार पत्र द स्ट्रेट्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार घायलों में से एक यात्री को अस्पताल पहुंचाया गया है। विमानन कंपनी स्कूट ने कहा कि शुक्रवार सुबह जब विमान ग्वांगझाऊ के पास पहुंचा तो उसमें कुछ खराबी आ गई। बोइंग 787-9 स्थानीय समयानुसार सुबह 9:10 बजे अपने गंतव्य पर उतरा। इसने तड़के लगभग 5:45 बजे सिंगापुर से उड़ान भरी थी। स्कूट ने कहा है कि विमान के ग्वांगझाऊ पहुंचने पर पता चला कि चार यात्रियों और चालक दल के तीन सदस्यों को चोट आई है। इनमें से एक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। कंपनी ने बयान में यह नहीं बताया कि विमान में कुल कितने लोग सवार थे।

भारत ने चाड के लिए 2300 किलोग्राम चिकित्सा सहायता की खेप भेजी

नई दिल्ली। भारत ने चाड में भीषण आग लगने की घटना के बाद वहां 2300 किलोग्राम चिकित्सा सहायता की खेप भेजी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक्स पर कुछ तस्वीरें साझा करते हुए पोस्ट किया, 'चाड को मानवीय सहायता प्रदान करनाः भारत - विश्वबंधु, विश्व का मित्र। भारत ने घातक आग की घटना के जवाब में चाड गणराज्य की सरकार को आवश्यक जीवन रक्षक एंटीबायोटिक्स और सामान्य दवाओं से युक्त चिकित्सा सहायता प्रदान की। लगभग 2300 किलोग्राम वजन वाली यह खेप आज दिल्ली से रवाना हुई।'

सुनीता विलियम्स रह गईं अंतरिक्ष में, स्टारलाइनर लौटा, सुरक्षित लैंडिंग

एजेंसी

वाशिंगटन। अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुश विलमोर को स्पेस स्टेशन ले जाने वाला स्पेस क्राफ्ट स्टारलाइनर-1 शनिवार को तीन महीने बाद धरती पर लौट आया। वह सुरक्षित लैंड हो गया। यह स्पेस क्राफ्ट भारतीय समयानुसार तड़के 3:30 बजे पहुंचा। यह न्यू मैक्सिको के व्हॉइट सैंड स्पेस हॉर्बर (रेगिस्तान) में सुरक्षित लैंड हुआ। अमेरिकी-भारतीय नागरिक सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष में ही हैं।

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा बताया कि स्पेस क्राफ्ट ने सुबह 9 बजकर 15 मिनट पर पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश किया। इसके बाद इसकी गति करीब 2,735 किलोमीटर हो गई । लैंड होने से ठीक तीन मिनट पहले ही सुरक्षा के लिए स्पेस क्राफ्ट के तीन पैराशूट भी खुल गए। बोइंग कंपनी ने नासा के लिए यह स्पेसक्राफ्ट बनाया है। पांच जून को सुनीता और बुच को इससे भेजा गया था। यह सिर्फ आठ दिन का मिशन था। तकनीकी खराबी की वजह से इसमें समय लगा तकनीकी कारणों की जांच की जाएगी ।

स्पेसक्राफ्ट में तकनीकी दिक्कतों और हीलियम गैस के रिसाव की जानकारी सामने आई थी। नासा ने 24 अगस्त को बताया था कि स्टारलाइनर में सेफ्टी इश्यूज की वजह से बुच और सुनीता को इससे वापस धरती पर नहीं लाया जाएगा। स्पेसक्राफ्ट खाली ही वापस लौटेगा। सुनीता और बुच को एलन मस्क की कंपनी स्पेस एक्स के क्रू ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट से वापस लाया जाएगा।

अमेरिकी संचार माध्यमों की रिपोर्ट के मुताबिक, स्टारलाइनर की वापसी और इससे जुड़े ताजा अपडेट को लेकर नासा ने सुबह 11 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें बोइंग का कोई प्रतिनिधि नहीं था। नासा के मैनेजर स्टीव स्टिच ने कहा कि स्टारलाइनर ने अच्छे तरीके से लैंडिंग की है। हमने इसे जांच के लिए भेजा है। हम जल्द ही बताएंगे कि स्पेस क्राफ्ट में किस वजह से खराबी आई। नासा और बोइंग के बीच भले ही दिक्कतें चल रही हैं लेकिन दोनों मिलकर स्टारलाइनर की जांच करेंगी।

स्टारलाइनर की सेफ लैंडिंग के बाद स्पेस स्टेशन में मौजूद सुनीता विलियम्स ने खुशी जताई। उन्होंने टीम की प्रशंसा करते हुए कहा है कि आप लोग बेहतरीन हैं। लैंडिंग कमांडर लौरेन ब्रेंकी ने सोशल मीडिया पर लिखा है स्टारलाइनर सुरक्षित घर लौट आया। इसने क्या शानदार लैंडिंग की।

दुनिया में भारत की सशक्त पहचान में उत्तर प्रदेश की गुणात्मक भागीदारी : उपराष्ट्रपति

एजेंसी

गोरखपुर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बताते हुए यहां 2017 के बाद आए बदलाव के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया में बनी भारत की अलग और सशक्त पहचान में उत्तर प्रदेश की गुणात्मक भागीदारी है। उन्होंने 2047 तक 'विकसित भारत' की संकल्पना को लेकर जारी अभियान में सबसे योगदान देने की अपील करते हुए कहा कि विकसित भारत के हवन में हरेक व्यक्ति को आहुति देनी चाहिए, क्योंकि हम देश के लिए जितना भी कर सकें, कम है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ शनिवार को गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में सैनिक स्कूल के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उपराष्ट्रपति की पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ भी उपस्थित थीं।

● उपराष्ट्रपति ने किया सैनिक स्कूल गोरखपुर का लोकार्पण

उपराष्ट्रपति ने उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आए परिवर्तन का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2017 के बाद उप्र में शिक्षा, चिकित्सा, उद्यमिता तथा अन्य क्षेत्रों में गुणात्मक वृद्धि हुई है जबकि 2017 के पहले यह प्रदेश डर की चपेट में था। कानून व्यवस्था ठीक नहीं थी, आम आदमी परेशान रहता था। कई पहलुओं पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि सैनिक स्कूल गोरखपुर को मात्र तीन वर्ष में पूरा करवाकर योगी ने शानदार और चमत्कारिक कार्य कर दिखाया है। वैसे तो मुख्यमंत्री योगी के चमत्कारिक कार्यों की गूंज हर जगह सुनाई देती है। तीन वर्ष में सैनिक स्कूल बनकर संचालित होना मुश्किल और अकल्पनीय था लेकिन सीएम योगी ऐसा कर देंगे, यह विश्वास भी था।

सीएम योगी का करिश्मा भविष्य की पीढ़ी निर्माण का रास्ता

उन्होंने कहा कि पूर्वांचल उत्तर प्रदेश का महत्वपूर्ण अंग है। इस क्षेत्र के पहले सैनिक स्कूल का ढांचा अद्भुत है। इस शानदार सैनिक स्कूल के रूप में सीएम योगी ने जो करिश्मा किया है, वह भविष्य की पीढ़ी के निर्माण का रास्ता है। वह आश्वस्त हैं कि यह सैनिक स्कूल योगी की विशिष्ट छाप का प्रतिबिंब रहेगा। उपराष्ट्रपति ने कहा कि 1960 में देश के पहले सैनिक स्कूल की स्थापना उत्तर प्रदेश के लखनऊ में तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. संपूर्णानंद ने की थी। अब उप्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य सोसाइटी के माध्यम से सैनिक स्कूल खोलने का सराहनीय कार्य किया है।

भारतीयता हमारी पहचान, राष्ट्र हमारा धर्म

सैनिक स्कूल समेत सभी स्कूलों के विद्यार्थियों और आमजन को प्रेरित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारतीयता हमारी पहचान और राष्ट्र हमारा धर्म है। हमें निजी स्वार्थ से ऊपर राष्ट्र धर्म को रखना होगा। राष्ट्रवाद से समझौता राष्ट्र के साथ धोखा होगा। राष्ट्र पर प्रश्न चिह्न लगाने वालों को हमें बर्दाश्त नहीं करना है।

आज दस साल पहले वाला भारत नहीं

उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज का भारत दस साल पहले वाला भारत नहीं है। बल्कि सशक्त भारत है। पहले देश का सोना स्विट्जरलैंड के बैंक में गिरवी रखा जाता था, आज ऐसी स्थिति नहीं है बल्कि देश का स्वर्णकोष पर्याप्त है। जिस कश्मीर में कोई दिखता नहीं था, वहां अनुच्छेद 370 समाप्त होने के बाद दो-तीन वर्ष से दो करोड़ से अधिक पर्यटक आ रहे हैं। संविधान निमार्ताओं ने अनुच्छेद 370 को अस्थायी बनाया था लेकिन कुछ लोग इसे परमानेंट मान बैठे थे।

हर राज्य को प्रेरणा देगा यह सैनिक स्कूल

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि गोरखपुर का सैनिक स्कूल हर राज्य को प्रेरणा देगा कि वह भी इसके तर्ज पर सोसाइटी बनाकर अपने राज्य में सैनिक स्कूल की स्थापना करें। उन्होंने कहा कि इस सैनिक स्कूल के लोकार्पण समारोह में आकर आज मेरा जो लगाव गोरखपुर से हुआ है, वह जीवन पर्यंत बना रहेगा। सैनिक स्कूल के लोकार्पण समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और नाथ संप्रदाय की साधनास्थली गोरक्षभूमि को नमन करते हुए इसका अपने गृह क्षेत्र राजस्थान से रिश्ता जोड़ा।

सफलता की शुरुआत का केंद्र है असफलता

धनखड़ ने विद्यार्थियों को समझाते हुए कहा कि उन्हें असफलता से कभी डरना नहीं चाहिए, क्योंकि असफलता सफलता की शुरूआत का केंद्र है। उन्होंने कहा कि डर को मन से निकाल दें। डरेंगे तो आपकी प्रतिभा कुंठित होगी। उन्होंने चंद्रयान 3 की अभूतपूर्व सफलता का आधार चंद्रयान 2 की आंशिक सफलता को बताया। शिक्षा की महत्ता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा बदलाव का माध्यम है। सामाजिक कुरीतियों पर कुठाराघात शिक्षा के माध्यम से ही किया जा सकता है।

गणेश चतुर्थी पर भगवान महाकाल का हुआ विशेष श्रृंगार

एजेंसी

उज्जैन। विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर के मंदिर में परम्परा के अनुसार शनिवार को भाद्रपद शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि (गणेश चतुर्थी) के अवसर पर भस्म आरती के दौरान बाबा महाकाल विशेष रूप से गणेश स्वरूप में श्रृंगार किया गया। सुबह भस्म आरती में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भगवान के इस दिव्य स्वरूप के दर्शन कर पुण्य लाभ कमाया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल की जयकारे भी लगाए, जिससे पूरा मंदिर परिसर गुंजायमान हो उठा।

महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी पंडित विकास शर्मा ने बताया कि भाद्रपद शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि पर सुबह 4 बजे भगवान वीरभद्र और मानभद्र की आज्ञा लेकर महाकालेश्वर मंदिर के पट खोले गए। सबसे पहले भगवान महाकाल का जलाभिषेक किया गया। इसके बाद दूध, दही, घी, शहद, फलों के रस से बने पंचामृत से अभिषेक पूजन किया।

साथ ही केसर युक्त जल अर्पित किया गया। इसके बाद भगवान महाकाल का श्री गणेश स्वरूप में श्रृंगार किया गया। पुत्र के रूप में बाबा महाकाल का श्रृंगार देखकर श्रद्धालु काफी आनंदित हुए। इस अलौकिक श्रृंगार को जिसने भी देखा, वह देखता ही रह गया।

भगवान का विशेष श्रृंगार कर उन्हें नवीन शेषनाग का रजत मुकुट, रजत की मुण्डमाल, रुद्राक्ष की माला के साथ सुगंधित पुष्प से बनी फूलों की माला धारण कराया गया और इसके बाद फल व मिष्ठान का भोग लगाकर आरती की गई। तत्पश्चात महानिवार्णी अखाड़े के द्वारा बाबा महाकाल को भस्म अर्पित की गई। श्रद्धालुओं ने नंदी हॉल और गणेश मंडपम से बाबा महाकाल की दिव्य भस्म आरती के दर्शन किए और भस्म आरती में शामिल होकर लाभान्वित हुए।

जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा चुनाव के बाद होगा बहाल, गृहमंत्री ने दिया आश्वासन

एजेंसी

जम्मू। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को पलौड़ा टाप में जनसभा को संबोधित करते हुए विधानसभा चुनाव के बाद जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद राष्ट्रीय ध्वज और संविधान के तहत यह पहला चुनाव है। शाह ने लोगों से कहा कि यह संयोग है कि भाजपा की पहली चुनावी रैली गणेश चतुर्थी के दिन शुरू हो रही है। आगामी चुनाव ऐतिहासिक चुनाव है। देश की आजादी के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर के मतदाता तिरंगे के नीचे अपना वोट डालेंगे।

उन्होंने कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन पर पुरानी व्यवस्था को पुनर्जीवित करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार आतंकवाद, स्वायत्तता और गुज्जर, पहाड़ी, बकरवाल और दलितों सहित किसी भी समुदाय के साथ अन्याय की अनुमति नहीं देगी, जिन्हें भाजपा सरकार द्वारा आरक्षण दिया गया था।

अमित शाह ने कहा कि मैं राहुल गांधी से एक बात कहना चाहता हूं कि आप चाहे जितनी कोशिश कर लें हम गुज्जर, बकरवाल, पहाड़ी और दलितों के आरक्षण को छूने नहीं देंगे और जब तक शांति नहीं होगी पाकिस्तान से कोई बातचीत नहीं होगी।

रैली में अमित शाह ने कहा कि आने वाला चुनाव एक ऐतिहासिक चुनाव है। जब से देश आजाद हुआ है पहली बार जम्मू कश्मीर का मतदाता दो झंडे नहीं, एक तिरंगे के नीचे अपना मतदान करेगा। पहली बार दो संविधान नहीं भारत के संविधान (जिसको बाबा साहेब अंबेडकर ने बनाया) के अंतर्गत मतदान होने जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमने घर-घर जाकर नेशनल कांफ्रेंस व कांग्रेस विभाजनकारी एजेंडे के प्रति लोगों को जागरूक किया है। मैंने एक प्रेस वार्ता कर नेशनल कांफ्रेंस व कांग्रेस के विभाजनकारी एजेंडे को उजागर किया था लेकिन आज मैं आप सब के सामने आया हूं, क्योंकि मैं मीडिया से ज्यादा भरोसा आप पर करता हूं, क्योंकि मैं भी आप में से एक हूं और मैं भी बूथ अध्यक्ष रहा हूं।

उन्होंने कहा कि अनुच्छेद-370 हटने से 70 साल के बाद जम्मू कश्मीर की माताओं-बहनों को अधिकार मिला है। नेशनल कांफ्रेंस व कांग्रेस पार्टी ये अधिकार छीनना चाहती है लेकिन मुझे पता है कि आप ये अधिकार नहीं छीनने देंगे। नेशनल कांफ्रेंस व कांग्रेस पार्टी पत्थरबाजी व आतंकवाद में लिप्त लोगों को जेल से छोड़ना चाहती है ताकि जम्मू, पुंछ, राजौरी जैसे क्षेत्र जहां शांति है, वहां फिर से आतंकवाद आए। क्या आप इन क्षेत्रों में आतंकवाद को फिर से आने दोगे? उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर में 90 सदस्यीय विधानसभा के लिए तीन चरणों में मतदान होगा। पहले चरण का मतदान 18 सितंबर को होना है, जबकि अन्य दो चरण 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को होंगे। मतगणना 8 अक्टूबर को होगी।

एक दिवसीय प्रवास > पूर्व राजनयिक ने रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय का किया अवलोकन

रानी लक्ष्मीबाई की सीख को अंगीकार करें : डॉ मोक्षराज

एजेंसी

झांसी। रानी लक्ष्मीबाई ने अपने शौर्य व बलिदान के माध्यम से हमें पराधीनता के प्रतिकार की जो सीख दी है, उसे प्रत्येक नर-नारी को अंगीकार करना चाहिए। अब वह पराधीनता सांस्कृतिक, राजनैतिक एवं विदेशी वस्तुओं से जुड़ी है।

यह विचार अमेरिका स्थित भारतीय राजदूतावास वाशिंगटन डीसी में प्रथम सांस्कृतिक राजनयिक एवं भारतीय संस्कृति शिक्षक रहे डॉ. मोक्षराज ने झाँसी में शनिवार को एक दिवसीय प्रवास के दौरान झांसी-कि ला दर्शन के अवसर पर व्यक्त किए।

● महारानी लक्ष्मीबाई के साहस से प्रेरणा पाकर मजबूरी में अपनाए पंथों को त्यागना चाहिए

उन्होंने कहा कि देश की आजादी से पहले व उसके बाद लाखों लोगों को धन के लालच, मृत्यु व अस्मिता के भय से अपना धर्म बदलना पड़ा। अब ऐसे पंथों को ढोने का कोई औचित्य नहीं है। सांस्कृतिक हमलों से पीड़ित लोगों को महारानी लक्ष्मीबाई के साहस से प्रेरणा पाकर मजबूरी में अपनाए पंथों को त्यागना चाहिए। ऐसा करने पर वे न केवल अपने पूर्वजों की सांस्कृतिक विरासत की रक्षा कर पाएँगे बल्कि देश के प्रति अपेक्षाकृत अधिक निष्ठा व विश्वसनीयता भी ग्रहण कर सकेंगे तथा जिसके कारण उनकी नई पीढ़ी का भविष्य और अधिक उज्ज्वल होगा तथा उनके लिए यह सांस्कृतिक आजादी युगों-युगों के लिए हितकारी हो सकती हैं।

डॉ. मोक्षराज ने कहा कि हमें अपने देश की आर्थिक समृद्धि व सामयिक शक्ति के लिए विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार का भी संकल्प लेना चाहिए तथा राजनेताओं को अपने सिर पर बिठाने की अपेक्षा उन्हें ईमानदारी से राष्ट्र सेवा करने के लिए विवश करना चाहिए।

झांसी प्रवास के दौरान उन्होंने रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय का भी अनौपचारिक भ्रमण किया। विश्वविद्यालय में कृषि पर हो रहे अनुसंधानों एवं पर्यावरण के रक्षक लाखों पेड़-पौधों को देखकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हुई, जिसके लिए डॉ. मोक्षराज ने विश्वविद्यालय प्रशासन व कार्मिकों की प्रशंसा की। उनके साथ भरतपुर के राष्ट्रवादी युवा रवि चौधरी एवं अलवर के कृषकरत्न मनीष कुमार भी थे।

देशभर में 10 दिनों तक रहेगी गणेशोत्सव धूम

एजेंसी

नई दिल्ली। देशभर में आज से गणेशोत्सव शुरू हो रहा है। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर सुबह से विघ्नहर्ता और प्रथमपूज्य देवता की पूजा-अर्चना शुरू हो गई है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एक्स हैंडल पर समस्त देशवासियों को श्री गणेश चतुर्थी के पावन पर्व की शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

● भाजपा ने देशवासियों को दी गणेश चतुर्थी की बधाई

इस वर्ष गणेश चतुर्थी सात सितंबर को मनाई जा रही है। भगवान गणेश हिंदू धर्म में विघ्नहर्ता और प्रथमपूज्य देवता के रूप में पूजे जाते हैं। वो अशुभता को दूर कर शुभ फल प्रदान करते हैं। गणेश चतुर्थी से ही 10 दिवसीय गणेशोत्सव का आगाज होता है। देश के लगभग हर हिस्से में सुबह भगवान गणेश की मंदिरों में आरती की गई।

गणपति बप्पा मोरया...के पवित्र घोष के साथ मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर में पहली आरती की गई। इस दौरान मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। ऐसा ही दृश्य लालबागचा राजा मंदिर में रहा। नागपुर के टेकड़ी गणेश मंदिर में भक्तों ने पूजा-अर्चना की। गुजरात में अहमदाबाद के वस्त्रपुर ना महागणपति मंदिर में सुबह की आरती की गई।

करीब 345 क्विंटल मादक पदार्थ को जलाकर किया नष्ट।

19 पुलिस थानों के 156 प्रकरणों में जब्तशुदा अवैध अफीम डोडा चूरा, गांजा व ब्राउन शुगर को पुलिस ने किया नष्ट

चमकता राजस्थान

चित्तौड़गढ़ (बाबू अग्नानी) जिले के 19 पुलिस थानों में वर्ष 2009 से 2023 के मध्य जब्तशुदा अवैध डोडाचूरा, गांजा व ब्राउन शुगर को न्यायालय से भौतिक सत्यापन के बाद शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी की उपस्थिति में जिला औषधि व्ययन समिति द्वारा थाना सदर निम्बाहेड़ा के वंडर सीमेंट प्लांट की कीलन में जलाकर नष्ट किया गया। पुलिस द्वारा 344 क्विंटल 56 किलोग्राम 358 ग्राम अवैध डोडाचूरा, गांजा व ब्राउन शुगर को नष्ट किया गया पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि, जिले के 19 पुलिस थानों के मालखाना एनडीपीएस एक्ट में जब्तशुदा मादक पदार्थों की वजह से लबालब भरे पड़े थे, जिससे अन्य जब्तशुदा मालों के रखने की समस्या आ रही थी। इसके निस्तारण की कार्यवाही के क्रम में पुलिस अधीक्षक कार्यालय की कार्य प्रणाली शाखा द्वारा संबंधित थानाधिकारियों से माल के निस्तारण के संबंध में प्रस्ताव प्राप्त कर, रिकॉर्ड तैयार किया गया।उक्त कार्यवाही के दौरान पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक परबत सिंह, डीएसपी निम्बाहेड़ा बद्रीलाल, पुलिस उप अधीक्षक एससी एसटी सेल बंशीलाल, पुलिस निरीक्षक जोधाराम व उपनिरीक्षक भंवरलाल दशोरा सहित संबंधित 19 थानों के थानाधिकारी एवं मालखाना प्रभारी व कार्यप्रणाली शाखा के कर्मचारियों आदि की उपस्थिति में आवश्यक रिकॉर्ड मिलान करने के बाद मादक पदार्थों का वजन किया गया तथा संबंधित मालों के वजन व नष्टीकरण के समय फोटो ग्राफी व विडियो ग्राफी करवाई गई।पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिले के थाना कोतवाली चित्तौड़गढ़, सदर चित्तौड़गढ़, कोतवाली निम्बाहेड़ा, सदर निम्बाहेड़ा, गंगरार, भदेसर, बिजयपुर, बस्सी, बेगूं, पारसोली, रावतभाटा, कपासन, बड़ीसादड़ी, निकुम्भ, कनेरा, मंडफिया, जावदा, मंगलवाड़ व शंभूपुरा के कुल 19 पुलिस थानों में दर्ज कुल 156 प्रकरणों में से 142 प्रकरणों में अवैध मादक पदार्थ 340 क्विंटल 52 किग्रा 441 ग्राम डोडा चूरा, 13 प्रकरणों में 10 क्विंटल 12 किग्रा 951 ग्राम गांजा, 1 प्रकरण में 02 ग्राम ब्राउन शुगर को जिला पुलिस द्वारा कार्यवाही के दौरान तस्करों के कब्जे से जब्त किया गया था। उक्त सभी 156 प्रकरणों में जब्तशुदा अवैध मादक पदार्थो को जिला औषधि व्ययन समिति चित्तौड़गढ़ द्वारा वंडर सीमेंट थाना सदर निम्बाहेड़ा के अधिकारियों यूनिट हैड नितिन जैन, सुरक्षा हेड नगेन्द्र सिंह चूंडावत, उप सुरक्षा अधिकारी देवेन्द्र सिंह राठौड़, एएफआर हैड अभिषेक नामदेव, एडमिन प्रभारी अखिलेश कुमार, एचआर मैनेजर विनय कुमार व पर्यावरण विभाग के सीनियर मैनेजर अमित भारद्वाज की उपस्थिति में शुक्रवार को सदर निम्बाहेड़ा के वंडर सीमेंट प्लांट की कीलन में जलाकर नष्ट किया गया।

संक्षिप्त समाचार

जिला कलक्टर ने पदभार संभालते ही, किया जलभराव प्रभावित इलाकों का दौरा

- जिला कलक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी ने प्रभावितों से किया संवाद
- जल भराव की स्थिति में नियंत्रण कक्ष में किया जा सकता है संपर्क

चमकता राजस्थान। जयपुर,! (खलील कुरैशी) 07 सितंबर। शनिवार को बारिश के चलते जयपुर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति पैदा हो गई। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अल सुबह से ही जलभराव से प्रभावित इलाकों का दौरा कर मौके का निरीक्षण किया। सोनी ने जवाहर नगर कच्ची बस्ती, टीला नंबर-1,2,5,6 एवं 7, मोती डूंगरी रोड, परकोटा सहित अन्य प्रभावित इलाकों में जलभराव की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान जिला कलक्टर ने प्रभावितों से संवाद भी किया।इस दौरान जिला कलक्टर ने मौके पर ही अधिकारियों को निर्देशित कर राहत एवं बचाव के कार्य शुरू करवाए। जिला कलक्टर ने आमजन से बारिश के दौरान सतर्क एवं सुरक्षित रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में जिले में भारी बारिश होने की संभावना है ऐसे में निचले इलाकों एवं जर्जर भवनों में निवास कर रहे नागरिकों से जिला प्रशासन सुरक्षित स्थान पर जाने की अपील करता है।उन्होंने ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा मानसून सीजन के दौरान किसी भी प्रकार की आपदा से निपटने के लिए जिला स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है। बाढ़ एवं जलभराव की स्थिति में आमजन किसी भी समय बाढ़ नियंत्रण कक्षों पर संपर्क कर मौके पर त्वरित राहत प्राप्त कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए जिला स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित है जहां दूरभाष नंबर- 0141-2204475, 0141-2204476 पर संपर्क किया जा सकता है।

अल कुरैश वेलफेयर सोसायटी झुंझुनूं की नई कार्यकारिणी हुई घोषित

- सर्व सम्मति अध्यक्ष पद पर नियुक्त किये गये मोहसिन कुरैशी

चमकता राजस्थान। जयपुर/ झुंझुनूं.(खलील कुरैशी) गुरुवार को अल-कुरैश वेलफेयर सोसायटी झुंझुनूं की अब्दुल मजीद कुरैशी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक का आगाज तिलावते कुरआन से किया गया उपस्थित सदस्यों की राय लेकर मोहम्मद मोहसिन कुरैशी को अध्यक्ष,इमरान बडगुजर को सचिव और हारुन खोकर को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। व्याख्याता बिलाल खोखर उपाध्यक्ष, इम्तियाज अली सहसचिव, और मोहम्मद वसीम को सह कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया है।आगामी बैठक आयोजित कर जिले की ब्लॉक वाइज कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। आठवें जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह और ग्यारहवें स्वेच्छिक रक्तदान शिविर पर चर्चा की गई।संस्थापक सरंक्षक अब्दुल मजीद कुरैशी ने सभी मनोनीत पदाधिकारियों को समाज की तरक्की और शिक्षा के क्षेत्र में मिलजुल संगठित होकर निष्ठापूर्वक काम करने की शपथ दिलाई इस अवसर पर डॉ उमर कुरैशी, मो. इदरीस, शौकत सैयद , ए.ए.ओ मो.शफी कुरैशी, मोहम्मद हारून कुरैशी और सत्तार खोकर आदि सोसायटी सदस्य उपस्थित रहे।

कोटा शहर में थाना दादाबाड़ी पुलिस की कार्रवाई

- जानलेवा हमला कर हत्या का प्रयास करने वाले पांच बदमाश गिरफ्तार
- पुरानी रंजिश के चलते लाठी- सरियों से किया था हमला

चमकता राजस्थान । जयपुर/कोटा (खलील कुरैशी) 7 सितंबर। शहर के दादाबाड़ी इलाके के शिवपुरा में एक युवक पर लाठी, सरियों एवं पाइपों से जानलेवा हमला हमला करने की मामले में थाना पुलिस की टीम द्वारा पांच आरोपियों मोहम्मद इराज पुत्र कदीर मोहम्मद (21) निवासी चंबल कॉलोनी थाना कुन्हाड़ी, मोहम्मद इरशाद उर्फ कालिया पुत्र मोहम्मद सगीर (28) निवासी वक्फ नगर थाना दादाबाड़ी, फरहान पुत्र अब्दुल नईम (20), ईशान खान पुत्र अब्दुल नईम (22) एवं मोहसिन खान उर्फ अमन डॉक्टर पुत्र महफूज खान (20) निवासी गौतम वाटिका थाना दादाबाड़ी को गिरफ्तार किया है।एसपी डॉ अमृता दुहन ने बताया कि 31 अगस्त को शिवपुरा निवासी अब्दुल हमीद ने रिपोर्ट दी कि बीती रात 9:00 बजे के आसपास उसका बेटा अल्फेज बाजार में कुछ सामान लेने गया था। इराज और फरहान ने उसे कॉल कर बुलाया। गौतम वाटिका के पास इरशाद उर्फ कालिया, उसके पिता सगीर, ईशान, उसके पिता शब्बू कबाड़ी, फरहान, अमन डॉक्टर सहित 7-8 व्यक्तियों ने पुरानी रंजिश को लेकर घेर कर लाठी, सरियों, तलवार, चैन, लोहे के पाइप से मारपीट कर दोनों पैर में फैक्चर और हाथ भी तोड़ दिया। पूरे शरीर में भी गंभीर चोटें आई है। रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।घटना की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एसपी दुहन द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सैनी व सीओ राजेश कुमार टेलर के सुपरविजन एवं एसएचओ दादाबाड़ी नरेश कुमार मीणा के नेतृत्व में गठित की गई। टीम द्वारा कई बार अभियुक्तों के ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन सभी आरोपी अपने जगह से फरार थे। आसूचना संकलन एवं तकनीकी सहायता से पुलिस ने इन पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।सभी बदमाश काफी चालाक एवं युवा है, इनके खिलाफ पूर्व में हत्या के प्रयास जैसे प्रकरण दर्ज है। घटना की वजह पुरानी रंजिश है। आरोपी मोहम्मद इरशाद व अल्फेज के बीच काफी समय से रंजिश चल रही है। करीब 2 साल पहले इसी रंजिश के चलते अल्फेज ने मोहम्मद इरशाद व इसके साथियों पर चाकू से जानलेवा हमला किया था। जिसका बदला लेने के लिए अब यह घटना की गई।

माटी पर लगे हुनरमंद हाथ और निखार आई गजानंद की छवि

- 10 दिवसीय गणपति महोत्सव की धूम प्रारंभ!

चमकता राजस्थान। चित्तौड़गढ़ !(बाबू अग्नानी) चित्तौड़गढ़ गणेश चतुर्थी के साथ ही दस दिवसीय गणपति महोत्सव का आगाज शनिवार को हो गया। इसको लेकर धर्म प्रेमी लोगों में ही नहीं बल्कि बच्चों में भी खासा उत्साह है। उत्साह ऐसा कि हुनरमंद हाथों में मिट्टी का ढेला आ जाए तो वह भी खूबसूरत कृति बनकर उभरता है, कुछ ऐसा ही देखने को मिला है। बिरला शिक्षा केन्द्र की 9वीं कक्षा में अध्ययनरत सिद्धि विनायक कॉलोनी गांधीनगर निवासी दीपांशी शर्मा ने घर पर ही गणपति की सुंदर कृति की रचना की। करीब पांच दिन की मेहनत में दीपांशी ने मिट्टी की प्रतिमा बनाकर आकर्षक रूप से सजाया है। गणेश महोत्सव के मौके पर दीपांशी के इस प्रयास को खूब सराहा गया है।गणपति महोत्सव के लिए हाथों में पूजन का थाल, फल, फूल के विभिन्न स्वरूपों की मनभावन छवि के दर्शन, लंबी कतारे, गणपति के दीदार को इंतजार की घड़िया, गणपति बप्पा के जयकारे और भजनों की रसधार, कहीं ढोल नगाड़ो पर थिरकते श्रद्धालु ,कहीं आतिशबाजी के बीच लंबोदर की शाही सवारी।चित्तौरगढ़ शहर में सुबह से शाम तक बप्पा मोरिया रे, मंगल मूर्ति मोरिया, सिद्ध विनायक नमो नमः जैसे सुर के बीच कुछ इसी माहौल में शहर में शनिवार को धूमधाम के साथ गणेश चतुर्थी का पर्व मनाया गया। हर कोई भक्ति के रंग में रंगा था। शहर में जगह जगह मनभावन झांकियां सजाई गई। कहीं स्वर्ण तो कहीं रजत श्रृंगार किया गया। कई जगहों पर फूलों के बंगले में गणपति ने दर्शन दिए। श्रद्धालुओं ने गणपति की पूजा-अर्चना कर मोदक प्रिय को मोदक, फल-फूल, मेवा, मिठान अर्पित किए। श्रद्धा, भक्ति और समर्पण के इस माहौल में घर व मंदिरों के अलावा सार्वजनिक स्थलों पर गणेश प्रतिमाओं की स्थापना की गई। लोगों ने पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि व खुशहाली की कामना की।नगर में जगह-जगह बप्पा की छोटी से लेकर विशाल मूर्तियों की दिनभर बिक्री होती रही। मिट्टी के साथ-साथ पीओपी गणेश की प्रतिमा लोगों ने घरों पर लाकर विधि विधान के साथ स्थापित की।

बेजुबानों को लेकर भी संवेदनशील जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी

- बस्सी स्थित हिंगोनिया गौशाला का किया निरीक्षण
- गौशाला में गौवंश के बेहतर रखरखाव के दिये निर्देश

चमकता राजस्थान। जयपुर,!(खलील कुरैशी) 07 सितंबर। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी बेजुबानों को लेकर भी संवेदनशील हैं। जिला कलक्टर ने शनिवार को बस्सी स्थित हिंगोनिया गौशाला का निरीक्षण किया। इस दौरान जिला कलक्टर ने गौशाला में गोवंश के लिए चारे, पानी, रखरखाव सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला कलक्टर ने नंदीशाला, नेपियर घास की खेती, बायोगैस प्लांट, पशु चिकित्सालय एवं पशु आईसीयू वार्ड का भी जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने घायल गौवंश की बेहतर देखभाल करने एवं बाड़ों में पंखे लगाने के लिए निर्देशित किया साथ ही बारिश के मौसम में गौवंश को परेशानी ना हो इसके लिए टीनशेड एवं बाड़ों गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देशित किया।इस दौरान जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने गाय के बछड़े को अपने हाथों से दूध पिलाया। साथ ही एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत गौशाला में पौधारोपण भी किया। डॉ. सोनी ने गौशाला प्रबंधकों को गौशाला में आने वाले नए गौवंश में से गायों, नर गौवंश एवं बछड़ों को अलग-अलग बाड़े में रखने के लिए भी निर्देशित किया। गौशाला प्रबंध समिति के पदाधिकारी प्रेमानंद एवं रघुवरदास ने डॉ. सोनी को गौशाला प्रबंधन की जानकारी प्रदान की।जिला कलक्टर के दौरे के दौरान बस्सी उपखण्ड अधिकारी श्री मुकुट चौधरी, पशु चिकित्सा विभाग के उपनिदेशक, डॉ. आर.एस. मीणा सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस मुख्यालय के निर्देश :

राज्य में विवाहित जोड़ों एवं क्लोज रिलेशनशिप में रह रहे युगलों की सुरक्षा के संबंध में मानक संचालन प्रक्रिया निर्धारित

चमकता राजस्थान

जयपुर, !(खलील कुरैशी) 7 सितम्बर। विवाहित जोड़ों एवं क्लोज रिलेशनशिप में रह रहे युगलों की सुरक्षा के लिए राज्य में एक मानक संचालक प्रक्रिया (एसओपी) निर्धारित की गई है। पुलिस मुख्यालय से इस संबंध में अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस सिविल राइट्स एवं एएचटी भूपेंद्र साहू द्वारा आदेश जारी किए गए हैं।एडीजी साहू ने बताया कि राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर द्वारा दिनांक 2 अगस्त 2024 को दिए गए आदेश की पालना में यह एसओपी निर्धारित की गई है। इसके अनुसार राज्य के विवाहित जोड़े एवं क्लोज रिलेशनशिप में रह रहे युगल स्वयं, किसी प्रतिनिधि अथवा अधिवक्ता के जरिए प्रार्थना पत्र कर सकते है। यदि उन्हें किसी से भी खतरा हो तो वे इस संबंध में नामित नोडल अधिकारी को सुरक्षा के लिए अभ्यावेदन प्रस्तुत करेंगे।

नोडल अधिकारी को शिकायत देने के सुगम तरीके

ऐसे युगल सुगम रिपोर्टिंग के लिए डायल 112, महिला हेल्पलाइन नंबर 1090, राज्य स्तरीय व्हाट्सएप हेल्पलाइन 8764871150, जिला स्तरीय व्हाट्सएप हेल्पलाइन एवं पुलिस नियंत्रण कक्ष के नम्बर, जिला स्तर पर संचालित नियंत्रण कक्ष की ईमेल आईडी पर शिकायत दर्ज कर सकते हैं।जल्द ही एससीआरबी द्वारा पुलिस वेबसाइट पर लिंक उपलब्ध करवाया जा रहा है। उस लिंक के माध्यम से आवेदक थाने पर व्यक्तिगत उपस्थित हुए बिना अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इन माध्यमों से प्राप्त शिकायत को प्रभारी अधिकारी अविलंब नोडल अधिकारी, संबंधित वृत्त अधिकारी एवं थानाधिकारी को प्रेषित करेंगे।

नोडल अधिकारी के दायित्व

नोडल अधिकारी शिकायत पर तुरंत पीड़ित युगल को अंतरिम राहत प्रदान करेंगे। सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में आवेदक के बयानों की ऑडियो व वीडियो रिकॉर्डिंग की जाएगी। यदि उन्हें किसी प्रकार का खतरा है तो पुलिस सुरक्षा उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करेंगे। यदि सुरक्षा उपलब्ध कराने के पर्याप्त आधार नहीं है तो स्पष्ट कारण बताएंगे। संबंधित चाहे तो उनके परिजनों को बुलाकर आपसी समझाईश का प्रयास करेंगे। यदि युगल के परिजनों को किसी अन्य व्यक्ति या समूह द्वारा प्रताड़ित किए जाने की शिकायत प्राप्त हो तो तत्काल उनकी सुरक्षा एवं विधिक कार्रवाई किया जाना सुनिश्चित करेंगे। यदि संबंधित को आश्रय की आवश्यकता हो तो सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित सेफ हाउस में उनके रहने की व्यवस्था करवाएंगे। साहू ने बताया कि इस मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) में नोडल अधिकारी, जिला एसपी व डीसीपी, रेंज आईजी व पुलिस आयुक्त, एससीआरबी के दायित्व निर्धारित कर शिकायत के निस्तारण की प्रक्रिया बताई गई है। जिले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी नोडल अधिकारी है जो सात दिवस के अंदर विधिक कार्रवाई करेंगे। इनसे सन्तुष्ट नहीं होने पर जिला एसपी को शिकायत दर्ज कराई जा सकती जो 3 दिन के अंदर उचित कार्रवाई करेंगे। रेंज आईजी और कमिश्नर मानक संचालन प्रक्रिया की पालना सुनिश्चित करेंगे।स्टेट क्राईम रिकार्ड ब्यूरों (रउफ्ह) एवं तकनीकी एवं दूरसंचार शाखा पुलिस वेब लिंक तैयार कर रही है, जिसमे आवेदक अपनी शिकायत की अपडेट स्थिति देख सके। यह शाखा सुगम रिपोर्टिंग के लिये संचालित विभिन्न हेल्पलाईन, व्हाटसएप नम्बर, ई-मेल आईडी तथा पुलिस वेबसाईट लिंक एवं अन्य प्रक्रिया को सुचारू रूप से 24७7 संचालित किया जाना सुनिश्चित करेगी।एडीजी साहू ने बताया कि संबंधित युगल नोडल अधिकारी या एसपी व पुलिस उपायुक्त से भी संतुष्ट नहीं है तो वह जिला एवं राज्य स्तर पर संचालित पुलिस जवाब देही समिति को अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। यह समिति आवेदक की शिकायत का निस्तारण युक्तियुक्त समय पर निर्धारित करेंगे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929